



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN20423	ImageGroup:	I3CN20437
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	འབྲོག་ཁུལ་རྒྱ་རྩོར་སོགས་སུ་དར་བའི་ལག་བྲིས་གྲོང་ཚོག་ཕྱོགས་བསྟུས། 'brog khul rgya hor sogs su dar ba'i lag bris grong chog phyogs bsdus/
Author:	n/a
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	13
Total Volumes:	17
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 19

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཡོད་པ་ཀུ་མེད་པ་མེད་ཅིང་ཡོད་པ་ལྟ་བུ་པར་གཏུག་ནི་དེ་ཅི་ལྟར་ཞེས། རབ་འབྱོར་ལྷན་ཁྲུང་
 མེས་པ་དཔག་མེས་པ་དཔག་ཅིང་པ་དེ་དག་ནི། འདུག་ཏུ་འདུག་མེས་འདུག་པར་མི་འདུག་ཞེས། མེས་པ་
 ཅན་ཏུ་འདུག་མེས་པ་མེས་པ་ཞེས། ལྷན་ཁྲུང་འདུག་མེས་པ་མེས་པ་ཞེས། གཤམ་ལྷན་ཁྲུང་འདུག་པར་མི་འདུག་
 པའི་ལྟར་ཞེས། རབ་འབྱོར་ལྷན་ཁྲུང་མེས་པ་དཔག་མེས་པ་དཔག་ཅིང་པ་དེ་དག་གཤམ་ལྷན་ཁྲུང་འདུག་
 པ་དང་། མེས་པ་མེད་པར་ཡོད་འདུག་མེས་པ་འདུག་ཞེས། དེ་དག་ནི་འདུག་མེས་དང་འདུག་མེས་མེད་པར་ཡོད་
 འདུག་པར་མི་འདུག་ནི། དེ་ཅི་ལྟར་ཞེས། རབ་འབྱོར་གཤམ་ལྷན་ཁྲུང་མེས་པ་དཔག་མེས་པ་དཔག་
 ཅིང་པ་དེ་དག་ནི། མེས་པ་འདུག་མེས་པ་འདུག་པར་དེ་ཅི་དེ་དག་གིས་ཡན་ལྷན་ཁྲུང་འདུག་པར་འདུག་ཞེས།
 མེས་པ་ཅན་ཏུ་འདུག་པ་དང་། ལྷན་ཁྲུང་འདུག་པ་དང་། གཤམ་ལྷན་ཁྲུང་འདུག་པར་འདུག་པའི་ལྟར་ཞེས།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

101

102

103

104

100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200

101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200

[illegible]

100

Handwritten marginal notes in a script, possibly Tibetan, located on the left side of the page.

Main body of handwritten text in a script, possibly Tibetan, written in red ink. The text is arranged in horizontal lines across the page.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

1. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

[illegible]

[illegible]

[illegible]



ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥



卷之四

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

[illegible]

1001

1001. 1002. 1003. 1004. 1005. 1006. 1007. 1008. 1009. 1010.

1011. 1012. 1013. 1014. 1015. 1016. 1017. 1018. 1019. 1020.

[illegible]

(The text in this image is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

इत्यनेन कथयन्तु वृत्तिं केषां च रत्नस्य

७७। । कथयन्तु वृत्तिं केषां च रत्नस्य । कथयन्तु वृत्तिं केषां च रत्नस्य । कथयन्तु वृत्तिं केषां च रत्नस्य ।



॥ मञ्जुसूत्रेणैवमुक्तं सर्वत्रापि ॥ कदापि न भवेत् ॥ यथा ॥ मञ्जुसूत्रेणैवमुक्तं सर्वत्रापि ॥ कदापि न भवेत् ॥ यथा ॥

मञ्जुसूत्रेणैवमुक्तं सर्वत्रापि ॥ कदापि न भवेत् ॥ यथा ॥ मञ्जुसूत्रेणैवमुक्तं सर्वत्रापि ॥ कदापि न भवेत् ॥ यथा ॥

॥ मञ्जुसूत्रेणैवमुक्तं सर्वत्रापि ॥ कदापि न भवेत् ॥ यथा ॥ मञ्जुसूत्रेणैवमुक्तं सर्वत्रापि ॥ कदापि न भवेत् ॥ यथा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७। ^{विमलः} पं० द० श्री सुवासना र० दि० द० क० त० प० वा० क० स० प० र० द० य० वा० त० स० त० प्र० स०
प० र० त० द० वे० र० श्री स० द० र० स० द० म० क० द० क० वा० क० स० प० र० प्र० वा० स० सु० द० द०... ल० सु० द० द० द० द० त० प०
स० वा० स० प० स० द० सु० क० द० स० द०। प्र० वा० स० म० क० त० म० स० म० क० द० द० त० स० द० व० स० द० र० क० द० र० वा० वा० स०
र० द० वा० स० त० प० द० म० क० वा० व० त० प० स० य० द० स० श्री म० स० त० र० त० वा० म० स० क० र० वा० द० र० क० सु० र० व० ल० द०
प० र० म० वा० क० क० म० स० श्री प्र० वा० स० क० त० प० स० सु० द० प० र० द० द० र० क० वा० स० म० प० द० त० र० प० क० स० त० सु०
र० म० त० स० द० प० र० द० द० स० त० प्र० वा० स० द० स० द० वा० स० त० प० व० र० सु०। ^{३३}
^{सत्यमेव जयते} स० वा० वा० सु० द० सु० द०। स० द० य० सु० र० सु० स० सु० सु० सु०। वी० स० र० सु० म० द०।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७। मेवावा सुमद्वर पतिदसुस सुसुद्ध निम रति वाद कहुं यिमा म विद म्मा यर सु
 सुर पत्न्या य मे स ग्रे म मत्त र्वा म सैद्ध र्वा दे द वठ क म म्मि क प म क क द सु म प
 कृत्त वा उवा सुवा वा ति स ग्रे वा य स ग्रे वा वा त्पु र किर वा य म क वि द सुवा त्दे क पा
 कृत्त वा द र स मी दे म क व व क्ति वा स पा सु म वा सु म व वा द उ द द सु सु ग्रे वि द र व र वा
 वि द सु म म्मि र्वा द सु व क्ति क द र म्मि क व म्मि क सु स द म्मि य सु स मी द कृत्त स व क्ति क पा सु द सु सु
 ग्रे सु द वा य म स द र सु वा वा सु वा स पति म म म स ठ क मी क द सु स मी क म स
 द र सु म प वा य म क व क्ति क द स पति वा र सु म स ग्रे स व क्ति वा स पति सु वि र य म म्मि क म र

७७

[illegible]

७७।

। धीमहि धियो यो नो प्रचोदयात् ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

[illegible]

७७॥ विरद्वीरुत्तमप्रियमपरमसमा मस्यमर्द्धप्रसात्पूजासमस्य। केकेमेरुं स्त्रीमापददस्त्रीपदप्रमस्यउ
 येपकयसूदू। लेखसंगसमर्द्धउरमप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्यकसापरेष्ठुत्तस्त्रीमेरुदुर्दे। देकसममेगस्यकारेउरुत्तस्त्रीसप्रमस्य
 स्त्री रद्वीप्रुत्तस्यगरेद्वीप्रुत्तस्यउरुत्तस्त्रीसप्रमस्यवर्गवस्यग्रेकवस्यकमस्यवर्गवपरुत्त
 कमस्यप्रुत्तस्त्रीकमस्य। सप्रुत्तस्त्रीकमस्यप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्य। द्वीकारेकवर्गवस्यप्रुत्तस्त्रीकवस्यकमस्यप्रुत्त
 रद्वीप्रुत्तस्त्रीकमस्यप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्य। वापदेमिद्वीप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्यप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्य॥
 प्रमस्यप्रुत्तस्त्रीप्रुत्तस्त्रीकमस्यप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्य। सुकुददस्यप्रुत्तस्त्रीकमस्यप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्यप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्य
 त्यवर्द्धकस्य। यकप्रुत्तस्त्रीप्रुत्तस्त्रीकमस्यप्रुत्तस्त्रीसप्रमस्य। पदेकवर्गवस्यप्रुत्तस्त्रीकवस्यकमस्यप्रुत्त

प
 ७७॥

[illegible]

पञ्चाङ्ग

[illegible]

[illegible]

५३॥

三

[illegible]





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कलसचतुर्गव्यस्य।

229]

१०५४

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

[illegible]

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ཕྱི་ལོ་ལྔ་པ་རེ་ལྟེ་ལམ་གྱི་པའི་སྤོང་ཡང་མཁའ་ཁྱེ་ལ་རྒྱལ་ལ་གྱི་ནང་དུ་མཆོད་

[illegible]

9
12
2

७७। ॥ १॥ ॥ २॥ ॥ ३॥ ॥ ४॥ ॥ ५॥ ॥ ६॥ ॥ ७॥ ॥ ८॥ ॥ ९॥ ॥ १०॥ ॥ ११॥ ॥ १२॥ ॥ १३॥ ॥ १४॥ ॥ १५॥ ॥ १६॥ ॥ १७॥ ॥ १८॥ ॥ १९॥ ॥ २०॥ ॥ २१॥ ॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७। । ॐ ह्रीं कृष्णाय नमः । प्रमत्तपदं येन स ग्रीवात्तु न गतवत् । पदं गतं तेन स त्रयस्य प्रमत्तपदं ॥

येन प्रमत्तपदं गतं तेन स ग्रीवात्तु न गतवत् । पदं गतं तेन स त्रयस्य प्रमत्तपदं ॥

~~नमः कृष्णाय नमः । ग्रीवात्तु न गतवत् । पदं गतं तेन स त्रयस्य प्रमत्तपदं ॥~~

कृष्णाय नमः । ग्रीवात्तु न गतवत् । पदं गतं तेन स त्रयस्य प्रमत्तपदं ॥

येन प्रमत्तपदं गतं तेन स ग्रीवात्तु न गतवत् । पदं गतं तेन स त्रयस्य प्रमत्तपदं ॥

पदं गतं तेन स त्रयस्य प्रमत्तपदं ॥ ग्रीवात्तु न गतवत् । पदं गतं तेन स त्रयस्य प्रमत्तपदं ॥

སེམས་ནི་ཡོངས་སུ་གདུལ། འདི་ནི་སངས་རྒྱལ་ཅན་པ་ཡིན། ལུས་ཀྱི་སྒྲོན་པ་ལེགས་པ་སྟེ། རག་གི་སྒྲོན་
པ་ལེགས་པ་ཡིན། དེ་ལྟེན་ཡིད་ཀྱི་སྒྲོན་པ་ལེགས། ཐམས་ཅད་ཅུང་པ་འདི་དག་སྒྲོང་དག། སྒྱུ་ག་ཅུང་པ་
ཀུན་ལས་གྲོལ་བར་འགྱུར། ཆོས་རྒྱལ་སྐུ་གསལ་ཅན་ལྟ་བུ་སྟེ། གསལ་ལྟེན་དག་ལྟོག་པ་མེད། ཅུང་
དུ་མེད་ཅིང་ཅེད་དུ་མེད། ཅུང་ལས་ལ་ཡང་དག་འགྱུར། ཆོས་རྒྱལ་སངས་རྒྱལ་ཤེས་པ་ཅན་ལྟེ། ཅུང་ལ་
ཅད་ག་འཁོར་ཅན་ཅན་ལས། རར་གི་ལུས་ལ་དཔེ་ལོང་ལས། གཞུགས་གསོལ་པ་མཁུ་བེད་ཅིག། ཡན་པ་གི་.....
འབྲས་བུ་ཅད་ཅད་དང་། གསོལ་པ་གི་འབྲས་བུ་སྒྱུ་ག་ཅུང་པ་ལྟེ། ས་ཐོན་ཆོས་རྒྱལ་སྐུ་གསལ་པུ་འོ། འབྲས་བུ་ཆོས་

10

[illegible]

७७। [सुभासः] रिकेकः सैद्धुः। [तुदा] सुभासाः सुदः र'वासा' र'वा।।
 सुदः सुभासाः रिकेकः वासैर'प'वा'वा।। [द'म'क'र'र'िकेक'र'र'वा'प'।। [सुभा
 सैर'क'म'म'प'र'प'म'स'प'र'म'प्र'म'।। [ग'द'ग'स'द'ग'र'म'प'र'प'र'म'म'म'
 सै'र'द'स'वासा'।। [ग'सै'र'द'वा'नै'प'र'ग'प'प'।। [र'िकेक'र'क'म'म'प'र'कुद'
 सु'व'र'सा'।। [म'द'र'स'द'र'नै'र'स'द'स'द'र'।। [द'र'मै'द'स'द'स'प'र'प'र'प'ग'
 क'र'।। [म'र'र'र'द'र'म'द'र'र'द'र'।। [स'प'र'स'स'र'र'र'र'र'र'।।
 सु'द'स'।। [प'र'र'म'स'r'क'र'र'र'र'।। [र'क'र'स'd'र'नै'स'व'r'र'।।

[illegible]

७७। [वर्ण्यैकैर्यदिदवाकुमस्या। [गकस्यगस्यममलनरुदगो
 कैस्यवस्यदददा। [दस्यपमवोक्तुदकपुद्गुदस्यगस्या। [प्यैकैर्य
 मश्रैर्यगददवागुस्यप। [वलेस्यकस्यकुश्रुप्यैकवदगगो। [नुदद
 कस्यपैर्यकुदयका। [प्यैर्यस्यवर्ण्यैकैर्यदिदवाकुमस्या। [वस्यद
 कस्यमप्यप्यदकस्यस्य। [प्यैर्यस्यवर्ण्यैकैर्य * [पदददवदवद
 ददयका। [प्यैर्यस्यवर्ण्यैकैर्य * [कदददगदकगुस्यगकैर्यस्य। [प्यैर्यस्य
 वर्ण्यैकैर्य * [गकैर्यगुदगदददयका। [प्यैर्यस्य * [प्यस्यमिदगुस्य

[illegible]

[illegible]

後

[illegible]

[illegible]

ཡེ་ཤེས་པ་ལྟོ་ཆེན་འདི་དག་རྒྱལ་པ། ། ལྟོ་ཆེན་གོང་ཚེ་མཉམ་ཆད་རྒྱལ། །
སྤར་སྤེ་ས་པད་ག་ཡམ་ཆད་ཀྱི། ། རྒྱུ་རྒྱུ་འཁྱོམ་ལ་ལུ་ག་ས་ཡེ་
འབུ་ཡ། བཞེས་ནས་ལྟོ་སྤྱོད་ཡམ་པད་ག་གི། རྒྱུ་རྒྱུ་ལམ་ས་ཤིང་ཆད་
པ་ན། ཡེ་ཤེས་པ་ལྟོ་ཆེན་འདི་ཡེ་ས་པད་ལྟོ། ། བསྐྱེད་རྒྱལ་པ་མཐུ་ཡམ་
ལམ་ས་པད་། ཡེ་ཤེས་ * བཞེ་དཔད་པད་པད་པད་། ཡེ་ཤེས་ *
ནད་གྲོང་གི་ལྟོ་ས་འཁྱོམ་པ། ཡེ་ཤེས་ * གཞུ་གྱི་དགྲ་དེ་ལྟོ་པད་། །
ཡེ་ཤེས་ * ལས་མི་འབྲུ་བཞེ་སེ་མས་མི་བདེ། ། རྒྱུ་མད་གོང་ལ་

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

७७। कवासाभवात्पश्चिन्नपरवादेन। यत्नेनकस्यकृत्तुंयत्न
 वदवागि। त्रुहन्मस्यप्रीदन्मसः। यिप्रेत्यवष्टुकेन। दिने
 यिप्रेत्यवष्टुः। यत्नेनकस्यमष्टुपदकस्यमसः। यिप्रेत्यवष्टु
 केन * सिद्धमसःसुदसुदमसः। यिप्रेत्यवष्टुकेन * तद्वान्नश्रुत्य
 नक्तमसः। यिप्रेत्य * शत्रुश्रुदश्रुदश्रुदमसः। यिप्रेत्य *
 पस्यामिदश्रुवर्तदेस्यस्यमिददे। तद्वान्नश्रुदश्रुदमसः।
 त्रुमेदमसदिवश्रुदमसः। शत्रुश्रुदश्रुदमसः। त्रुमेदमसदिवश्रुदमसः।

[illegible]

[illegible]

७७। [पुनः] अस्मिन्नुक्तं वाक्ये न कश्चिद्वाक्यम् ।
वस्तुतस्तथा वा प्रमाणस्यैवाहं वा प्रमाणस्यैवाहं । इत्येतत् स्यादिति
वाक्यस्याहं वा प्रमाणस्यैवाहं ॥

۱۵۰

[illegible]

सुख सुखं ॥

44

३॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ३॥



७७

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

सुप्रसन्नोऽयं भगवान्महादेवः

वसवोऽस्य सारसः सप्तर्षयः ।
नन्दोऽस्य सारसः सप्तर्षयः ।

सुप्रसन्नोऽयं भगवान्महादेवः ।
सुप्रसन्नोऽयं भगवान्महादेवः ।

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।
विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

वसवोऽस्य सारसः सप्तर्षयः ।
नन्दोऽस्य सारसः सप्तर्षयः ।

सुप्रसन्नोऽयं भगवान्महादेवः ।
सुप्रसन्नोऽयं भगवान्महादेवः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

ལྷན་པ་། ། བད་ལྟ་པ་ལྟ་བ་རིན་ཆེན་ལྟ། ། གསལ་བ་ཡེ་ཤེས་ལྟ་བདག་ལྟ། །
ཡོན་ཏན་པ་ཤི་ལྟ་ཆེན་དང་། ། བསྐྱེད་པ་ཤི་མེད་རིན་པོ་ལྟ་།

ॐ॥ दयानन्दमुखादिश्रीमत्सैतन्त्रिकप्रणाल्याः ॥

999

[illegible]

[illegible]

པའི་སྐྱེ། རྟེན་ལ་པ་སྐྱེ་ལ་གསལ། །ཕྱག་གཡམ་མཚན་གྱི་རྒྱལ་ལ་འཕྱར། །གཡམ་པ་སྐྱེ་ཕྱག་གཡམ་པ་བསྐྱེ་ལ། །ལ་དྲུག་པའི་དྲུག་བཞེགས་ལ་ལམ་རྒྱུག་ །རྒྱལ་ལ་འཕྱར་
འཕྱིར་ལས་སྐྱེ་བ་མཛད་ལ། །ཡམ་བཅུ་བར་ཆད་སེལ་བ་དང་། །མི་མ་སྐྱེ་གཙང་བྱེད་
བྱེད་ཀྱི་ལས་ལ། །དྲུག་ལ་བཞེགས་ཀྱི་ལས་ །རྒྱུ་རྒྱུ་སྐྱེ་ལ་གྱི་བྱ་ལ་བཅུ་གྱི་སྐྱེ། །
སྐྱེ་མ་དག་ལྟ་པ་ལྟ་པ་ལ། །དྲུག་ལ་ཆད་པ་ཆད་ལས་ལ། །ཆེན་ལ་སྐྱེ་དྲུག་ལ་ཆེན་པ་
ཆེན་ལ། །རྟེན་དྲུག་པའི་རྟེན་དྲུག་ལ། །རྟེན་གྱི་བཅུ་ལྟ་པ་འཕྱར། །སྐྱེ་པ་

299

[illegible]

[illegible]

[illegible]

སྒྲིལ་གྱི་བུ་དང་བཅས་པ་ལ། །གཏོར་མ་ལྟར་དང་ཞལ་བུ་དང་། །རྒྱུ་ལོ་ཐོབ་ཀྱི་ཆུང་བུ་དང་། །
བདད་དང་གཏོར་མ་འདི་བཞེས་པ་ལ། །སྒྲིལ་བུ་དང་པོ་ལྷུ་ལ་སྒྲུ་མ་པ་འི། །མི་གཅོད་གྱི་བུ་ལྷུ་ལ།
ཞེས་མ་དོད། །སྒྲིལ་བུ་དང་མོ་འི་ལོ་ན་པ་བྱེས། །རྒྱལ་ལ་ཕྱོད་ཕྱིར་གྱི་པ་མ་འདྲའ་གཅིག་།
ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ལ་སྒྲུ་མ་ལྷུ་ལ་བར་མ་དོད། །ཕྱོང་བུ་དང་ཕྱོགས་ཀྱི་ལ་འགོད་གྱི་བུ་ལྷུ་ལ་པ་ནས་།
ཀྱལ་ལ་འགོད་མ་མོ་འི་སྒྲུ་ལ་ནས། །སྒྲུ་ལ་མི་དང་མེད་ཀྱི་ལ་བསྐྱུ་ལ་ལ། །བདད་གཏོར་མ་ཀྱལ་ལ་འགོད་
གྱི་བུ་དང་བཅས་པ་ལ། །གཏོར་མ་མ་། །རྒྱུ་ལོ་མ་ལྟར་དང་གཏོར་མ་ཀྱལ་ལ་འགོད་མ་མོ་འི་ལོ་ན་པ་

[illegible]

[illegible]

ॐ
वन्द्यः ॐ

ब्रह्मः कुरु वन्द्यः पवित्रः वन्द्यः पवित्रः पवित्रः पवित्रः पवित्रः पवित्रः पवित्रः
वन्द्यः पवित्रः पवित्रः पवित्रः पवित्रः पवित्रः पवित्रः पवित्रः ॥

ॐ

ॐ



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

དཔ་ལྷུང་ཕྱུག་ཕྱུག་འདི། །རྒྱལ་པོས་བུ་ལ་འགྲན་ཞིང་མོན་མཆོད་ལྷུག་། །སྐྱབས་གསུམ་དབང་པོ་ཕྱུག་
ཆོས་ལས་འཕུངས་ཞིང་། །རྒྱལ་པོ་སྐྱེ་ལས་ཕྱུལ་བར་ཕྱེད་པ་འདི། །ཏིང་འདྲིན་གསལ་སྐྱགས་
འཆར་བ་བདག་ཅག་དང་། །རྒྱ་ཕྱུར་ཡོན་ཅི་བདག་པོ་ལྷུང་བཞེས་ཅིག །མི་ལུས་ལྷུང་དགའི་
མཛེས་བའི་ལྷུང་བཞེས་ལ། །བདུད་བཞིའི་དམག་ཆོར་སྤང་བའི་དགུ་ལ་བསྐྱུར། །བརྒྱུད་བ་ཡོད་
ན་ད་ལྷའི་ཞིང་དུ་བྱོལ། །བདུད་ཅི་བྲམ་ཁ་བཏབ་ན་བྲམ་ལ་ཕྱེས། །བཅས་ཅི་ཤོ་ནི་བཏབ་ན་བྲམ་

4

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཀུན་སྲིད་ཀྱི་གནོད་སྲིད་ཀྱི་ལ་སྲིད་པ་ཐོང་དག་པ་བཟུང་ཏེ་སྤྱི་རུ་མ་དུ་པ་བཞུགས་བཞུགས་བཞུགས་།
 ཐུང་ཐུང་ཐུང་པ་ལས་ཐོང་བཞུང་དུ་སྤྱི་རུ་མ་ཐོང་། འདི་ག་རྒྱུ་ལ་དེ་མེད་ཀྱི་ལ་སྲིད་པ་བཟུང་།
 ལེགས་པ་དཀོན་པ་ཆོག་གསུལ་ཏེ་བཟུང་། སྤྱི་རུ་མ་ཐོང་། བཟུང་ཐོང་།



॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

५

॥

॥

[illegible]

ཀའི་རྒྱལ་པ་ལོང་ཟེར་ལྟེན་པ་ཀི་བྱང་གྲུ་ལྟ་ལུ་དེར་གི་རྒྱལ་མོ་ལ་སོགས་པ་རུ་དང་
སོ་སོ་ཀི་གི་ཀལ་མཆོག་པོ་བྱང་དམ་པ་ཀལ་དཔལ་ལྡན་དམ་པ་ཟེར་གྱི་རྒྱལ་མོ་རེ་མ་ཏི
མ་གཅིག་དཔལ་གྱི་རྩམ་པོ། སྤྲོ་གཤོང་ཅན་ལྟ་སྤྲོ་གཤོང་ཅན། རྒྱལ་བཞི་རྩམ་མོ་ཆོ་
འིང་མཆོད་ལྟ་བུ་རྩམ་པ་བུ་གཅིག་ལ་སོགས་པ་ལྟ་ལོར་དང་བཅས་པ་སྤྲོ་གཅིག་གིས་
ལྟན་དུ་ལ། ཞེས་པའི་ལྟ་བུ་ལ། ལྟོང་དཔལ་ལྡན་གཅིག་གྱི་རེ་མ་ཏི། དམ་པ་ཟེར་བུ་ཀལ་ཀི་
ལྟར་མ། འཛིན་པོ་གི་ལྟན་རྩུ། བུ་ཀལ་པ་བུ་ལྟོང་བུ་ཀལ་བཞི་ལ་མ། ལལ་བྱས་པ་

551

[illegible]

[illegible]

५५

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ नमः शिवाय ॥

[Faint handwritten text]

ཡིད་ཀྱིས་པར་པར་གི་ཡིད་ཡིག་དང་པོ་ཐོག་ལེ་མཆུགས་ཞུགས་ལས་པར་པར་གི་མཆོད་མཆོད་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

གསལ་མཚན་རྟེན་པ་ལྟར་མཐོང་གི་ཞུས་པ་བཟང་ལ། །མི་ཡོད་སྐབས་བཟང་ཅོད་པ་ཆེ་ལྟར་
བཟང་ལ། །གཏུང་དཀར་འཁོར་བཟང་ལ་ཁག་འཁོར་ལྟར་ལ། །གསལ་མཚན་རྟེན་པ་
ཀུན་གྱི་གསལ་ལས་གསལ་བཟང་མོ་བཞི། །རྩྭ་ཕྱུག་གཅིག་ལས་མི་གསལ་གཅིད་ཕྱིན་བཞི། །
ཀར་བུ་ཅི་དེ་མོ་ལས་གསལ་ཕྱུག་མོ་བཞི། །གསལ་ལས་མཚན་གསལ་རྩྭ་ཕྱུག་ལས་གཅིད་ལ་ཡང་
ཕྱི་མཆོད་པ་འདྲི། །ཕྱུག་ཅི་ཅི་དཔལ་ལ་ཡུལ་ལུ་ཕྱུག་པོར་བཅུ་ལ། །ལྷུང་པ་ཡང་ལྷུང་པ་ཕྱི་
པ་འོ་ཅི་ལ་རྩྭ་ཕྱུག་ལ། །གསལ་ལས་མཚན་གཅིག་ཡང་ལས་གཅིག་པོར་ཕྱུག་པོར་གསལ་བའི་།

[illegible]

མཚོ་རྒྱལ་པོར་བསྐྱེད། །ཁྱུང་པར་དཔལ་ལྷན་རམས་ཟེར་བྱུང་མོ་དང་། །མཐུ་ཕྱོད་ལ་དཔལ་
ཀྱེ་བར་མ་གཅིག་དཔལ་ལྷན་མོ། །ཀྱེ་པོར་བཅུ་དམར་ཚོན་གཏོར་མ་མཐུ་བསྐྱེད་ལ། །གཙོ་
བྱེད་རྒྱུ་ཐག་གསལ་བསྐྱེད་ལ་དབང་མཛོད་ཅིག །བཀྲམ་ཕྱོད་དམ་ཅན་བྱུང་མོ་མཐུ་མ་
ཚོར། །ཕྱོད་བྱེད་པོ་ལྷན་ལ་མཐུན་ཅིང་ལ་ཆེན། །རྒྱལ་ཀྱེ་པོར་བདག་གི་གཏོར་མར་མཐུ་
བསྐྱེད་ལ། །གཙོ་བྱེད་རྒྱུ་ཐག་གསལ་བསྐྱེད་ལ་དབང་མཛོད་ཅིག །སྤུངས་པོ་དམར་གྱི་ལ་
ཀྱེ་པོར་ལྷན་ཅིག་ལ་དང་། །དཔལ་པོ་མཐུན་ཀྱེ་པོ་ལ་ཕྱོད་ལ་ཕྱེད་མཐོ་ཚོ་གསལ། །ལྷན་ཕྱོད་

[illegible]

[illegible]

24

[illegible]

ཆལ་གཅིག་ཕྱག་གཉིས་སྐྱུ་མདྲོག་ནས། །ཕྱག་གཡལ་ཕྱི་གྲུ་མདྲོག་ཆལ་པ་དང་།
གཡོན་པ་དྲུག་ཕྱུར་ལྔ་ལྟོག་། སྤང་བྱེད་ལ་འབྲང་ལོན་གདོང་། །སྐྱུ་མདྲོག་དཔལ་རྒྱལ་
ཕྱི་ཆོམ་ཀྱི་གཟུགས། །ཕྱག་གཡལ་དྲོད་ཕྱི་གྲུ་དང་། །གཡོན་པ་ཕྱི་གཡལ་མདྲོག་ཆལ་
པ་ལྟོག་། །ཤར་ཕྱོགས་ནག་པོ་ཕྱི་གཡལ་པ། །གཡོན་པ་དཔལ་ཉལ་ལ་སྒྲིད་ཕྱག་གསལ།
མི་ཕྱགས་ཀྱི་ཆོར་དྲུག་ཆིམས། །དབྱེད་ཀྱི་རྒྱུ་པ་མེ་ཆེ་ལ་བྱེད་ཆུགས། །སྒྲོ་ཕྱོགས་དཔལ་
པོ་ཕྱགས་ཀྱི་གཡལ། །གཡོན་པ་ཐོད་པ་བྲག་གར་ལྷུ་མས། །ཆུད་ཀྱི་ཆོར་ཆུ་རྒྱུ་ཆིམས།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

55

[illegible]

བཞི། རྒྱལ་པོ་ཡི་མཆོད་པོ་འཕྲུལ་གྱི། རྒྱལ་པོ་ཡི་མཆོད་པོ་འཕྲུལ་གྱི།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

གདོན་རིག་པ་གནད་པ་བཟླ་བ་ཉིད་ * ཡམས་པ་ནད་ཀྱི་པོ་ནད་བཟླ་བ་ཉིད་ * རྒྱལ་བ་ཉིད་ཀྱི་ལྷ་ལྷ་པ་པ་

सर्वज्ञोऽस्य ॥ सर्वज्ञोऽस्य ॥ सर्वज्ञोऽस्य ॥ सर्वज्ञोऽस्य ॥ सर्वज्ञोऽस्य ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འཕུམ་པ་དཀར་ཅན་མ་དེའི་རིགས་སེལ་བའི་མ་ལུག་པ་འཕགས་པ་མཁུ་ག་ཅན་ག་ཟེར་ཅན་
ཅུལ་པོའི་ལྷོ་ཀློང་བཅའ་མ་གཟུག་ཡིག་དོ་ཟུག་མ་མ་མེག་ཅན་པ་མ་གཟིག་ཅེ་ག་ཅན་པ་མ་ལུ
ཅིག་ས་དཀ་ལྷགས་མ་པ་རེལ་ཅོད་ག་དོ་བཟློག་ཅིང་བཟུམ་། །འཕམ་པ་པ་པ་ལྷན་བཟློག་ཅིང་
བཟུམ་། །རྒྱ་ལྷོ་དེ་མེད་པ་བཟློག་ཅིང་བཟུམ་། །ལྷོ་མེད་རེ་ཅ་ཅུལ་ཀློང་བཅའ་ཅན་དང་།
དེ་ལྷོ་ལྷོ་པོའི་བཅའ་པོ་ཡི། །མི་ཅོར་རྒྱུགས་ཀློང་པོ་བཅའ་ལྷོ། །མི་ཀློང་རྒྱ་ཅོར་ཅོ་མ་ལྷོ
པ་། །བཟློག་ཅིང་བཟུམ་པོའི་ཀློང་པོ་ལྷོ། །འཕུང་དང་མེ་མེ་ལྷོ་ཀློང་པོ་ལྷོ།

[illegible]

མག་མོ་དུས་ལ་བཅའ། །སྤྱི་མཁའ་ལུ་མ་བདག་མོ་དུས་ལ་བཅའ། །ལུ་ག་བདག་རྒྱལ་མོ་དུས་ལ་
བཅའ། །དུས་ལ་བཅའ་པོ་ས་མ་ཡ། །དག་པོ་གསལ་ལྗོངས་པའི་དུས་ལ་བཅའ། །བཟློག་པོ་ལྟོ
འཕྲིན་ལས་དུས་ལ་བཅའ། །འབར་མོ་བཟུང་མའི་དུས་ལ་བཅའ། །ཞེས་པ་མཁོ་བཟློག་པ་ལྟོ་མ་རྒྱལ་པོ་ལྟོ།

འདག་པོ་ཞེས་པ་དེ་ལ་མཁོ་བཟློག་པ་ལྟོ། །མཁའ་མོ་ཞེས་པ་དེ་ལ་མཁོ་བཟློག་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་མཁོ་བཟློག་པ་ལྟོ་མ་རྒྱལ་པོ་ལྟོ། །ཞེས་པ་མཁོ་བཟློག་པ་ལྟོ་མ་རྒྱལ་པོ་ལྟོ། །

ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །

ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །ཞེས་པ་ལྟོ། །

555 T

॥ इति श्रीमद्भगवत्गीतायां अष्टाध्यायस्य प्रथमोऽध्यायः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

一

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



30



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

༡༡༡། ཁང་གི་ཆུ་བུ་ཕྱེད་ཡིད་ལ་དྲན་ཅི་མེད་ཀྱིས། ལུང་ཆུ་དང་ཀུན་སྐུ་ལ་
དེ་སྐུ་གྲུབ་བའི་ཐུག་སྐྱེད། སྒྲུབ་མཁོ་ན་པོ་དེ་ཕྱིར་མེད་ལ་བརྟུན་ནས། རྟོག་ཅིང་ཀྱིས།
བསྐྱེད་ཅོག་མེད་རབ་ཕྱུ་སྐུ་ལ་ལོར། ཁོ་རྟུ་རམ་མཛེས་པེ་ལྟེ་མེད་ཀྱི་མཁོ་ན་པོ་ལ་མཛེས་ཀྱི་རྟུ་ལ་ལུང་
ལོར་ལས། རུང་ཁྱིད་མེད་མེད་ཀྱི་རྟུ་ལ་ལྟེད་ལ་གནས། ཕྱིར་ཤི་མཛེས་པེ་ཕྱིར་ཐུག་སྐྱེད་ཀྱི་རྟུ་རམ་ རྟོག་སྐུ་ལྟེད་
བ་ལྟེད་ཀྱིས། སྐྱུ་སྐྱུ་ལྟེད་ཀྱིས། ཅོག་ཀུན་རང་བཞིན་སྐྱེད་བའི་དང་ཁྱིད་ལས།

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ॥ वासिष्ठस्युवाच ॥ शिवस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं
वशात् तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं
तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं
तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं
तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं ॥ तत्त्वज्ञानं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य । त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य ।
 वन्दे । त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य । त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य ।
 त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य । त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य ।
 त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य । त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य ।
 त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य । त्रैलोक्येश्वरः । प्रणम्य ।

[illegible]

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । वरकंदगात्रं सोमं सप्तमं कृतं सप्तमं वासुदेवाय ।

विष्णुं शरणं गच्छामहे । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य । देवतां त्रिमूर्तिं प्रणम्य ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

△

ཕྱི་རྒྱལ་ལས་མི་མ་གཤིས་ལྟེང་། ལམ་ལ་འདེམས་རྒྱུ་དེར་མེད་ཐོབ་པ་ལོ་ལྟར་།

འགྲུབ་ལྟ་བུ་ཡུལ་བཞིའི་དོན་ཅུ་ལྟར་། བརྒྱུ་ཅི་ལྟ་བུར་ ལ་པོ་ན་གྱི་ལ་མ་ཆོན་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

བསྐྱུལ་ཏུ་གསལ་ལ། རྒྱལ་པ་ལྟར་མགོན་པོ་བཀའ་ཉུན་པོ་ལྟེ་ཆོག་ལ། ཆེས་པམ་མ་ ༢
ཐམས་ཅད་ཡར་དེ་ལྷོ་བཞིན་འཕེལ་བར་མཛོད། ། ཆེས་པོ་གསལ་ཏེ་མ་པ་ལྟར་ཆོད་པ་ལྟར་ལས་
འཆོལ་ཏུ་ཡིག་པ་ཆུ་བཅོས། མ་ཆོད་པོ་མ་ལྟར་མ་ཆོས་དང་། ། ཆེས་པོ་གསལ་ཏེ་མགོན་པོ་བཀའ་ཉུན་པོ་
གསལ་ལ། ཐམས་ཅད་མགོན་པོ་ལྟེ་ཆོད་པོ་ལྟར་མ་ལྟར་ཕེལ་བར་ཤོག །
མགོན་པོ་ལྷོ་མ་ལྟེ་ཆོད་པོ་ལྟར་མ་ལྟར་ཕེལ་བར་ཤོག ། ཆེས་པོ་ལྟར་

[illegible]

ॐ । । लकं न गति अहं दपदये अहं यदरा वरुं न गति र वरुं न गति न गति न गति

कं न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति

न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति न गति

ॐ

ॐ

ॐ



[illegible]

३७२

७७। ।मघेदेकगलपमददसज्ञेदमकेववाकुवासपा। सुमभासुम
ववादउददसुज्ञेकदुदवरपा। सुवावापसवावातसुप्रकेद। वापेकघेद
ववावुवासगारदेकपा। घेदुसमभूतसदसुकुददाववातदवापभूतसुस
देसमभूतसज्ञेदसुसपदेकुकघेदगुसकुवपा। सुवाभूतसगुसमघवस
वासमकेदज्ञेकदुसुसपदेकमसदभूतपा। वापेकवकुदसपदेवारसुस
गुयेज्ञेसगुमेरवदुदवरपदेदसुसकमलवासपदेसुवेरसो। मवाक
परसुस सुवासगारदु। सुवासगारदुतसदेदवरदसुस। रदमकेकगु

वाक्यमस्य वक्ष्ये मया पदद्वयं प्रोक्तं सैव पदद्वयं गोप्यं कृतं स्युक्तं दत्तं ॥ ६० ॥
पदं यं सैव पदद्वयं नैव स्युक्तं पदद्वयं ॥ पदद्वयं स्युक्तं पदद्वयं ॥ स्युक्तं
द्वयं ॥ कुल्लुगं मया पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥
मक्तं पदद्वयं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥
द्वयं पदद्वयं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥
पदद्वयं पदद्वयं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥
पदद्वयं पदद्वयं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥ स्युक्तं पदद्वयं पदद्वयं ॥

NO 2134

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७। । कम् ॥ हे पुरु कर्तव्यदद पुरुद पद पठस मयि ^{लेखन मय} हे ह्येद ठिग मके स म

समस स ह्युद प न र द गे क र द द वा गो स क म प र स ह्ये स प न क र द प द र क र म यि

म स म प द क म स म स स ह्ये द स । प क प द र ह्ये कु म यि स म स द र दू क म स

५५। र द र द स र ह्ये क स स र द र ह्ये । ग प र म र ह्ये क म स प य स ह्ये ह्ये म र व र

र म र प क म स ह्ये म य स क प स प क र द वा स प न क म य । स स ह्ये क ^{स म स}

द ग ह्ये स प ह्ये र ह्ये ग प ह्ये स प द वा । स स ह्ये क ह्ये स प म । स म म क म स र म स द र प ठ स ह्ये द प स र म स गे ह्ये ह्ये ह्ये ह्ये

ह्ये ह्ये क र प र म स ह्ये म स । म ग म क स प स ह्ये ह्ये स स ह्ये र द र म र म स । स म म स ह्ये म ग म स प क र द र म स ।

[illegible]

[illegible]

સિદ્ધિત્વદેવદેવવાદયેકમા । દેવદેવદેવદેવવાદયેકમા । સદવાકેસિદ્ધિત્વદેવદેવવાદયેકમા
શુર । સદવાકેસિદ્ધિત્વદેવદેવવાદયેકમા । સિદ્ધિત્વદેવદેવવાદયેકમા । સિદ્ધિત્વદેવવાદયેકમા
દવાશુદ્ધિત્વદેવવાદયેકમા । દેવદેવવાદયેકમા । દેવદેવવાદયેકમા । દેવદેવવાદયેકમા
સદેવવાદયેકમા । સિદ્ધિત્વદેવવાદયેકમા । સિદ્ધિત્વદેવવાદયેકમા । સિદ્ધિત્વદેવવાદયેકમા ॥

સદ્વાકેસિદ્ધિત્વદેવવાદયેકમા ॥

દેવદેવ ॥

223

- [ये सो स्यात्पदवर्गेऽस्योद्देशेऽस्योपपन्नमन्त्रेण त्वेसमुपपन्नमस्य॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ ॥ पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ ॥
सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥ पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥
पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥ पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥ देवे देवे पुनः सप्तमि मर्कटस्य मन्त्रं मुनिपुत्रस्य ॥ ॐ ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ । मकेरुपुदपदशायपञ्चैण । मीमपुदपदशायपञ्चैण । दकवेरपुदपदशाय...

पञ्चैण । पुदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशाय । पुः पुः देयिदशाय

पुः पुः पुः पुः देयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण ।

१२ । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण ।

१३ । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण ।

१४ । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण ।

१५ । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण । मससठदेयिमेदपदशायपञ्चैण ।

༡༡། འདིར་རྒྱལ་པོ་ཆེན་པོ་རྣམ་ཐོས་ལུས་ཀྱི་གསེར་གྱི་ཁང་ཅེས་གསལ་བཟུགས་བྱུང་།
ཐོག་མའདུ་ཞེས་བྱ་བ་ཅེས་གསལ་པོ།

७७। | बहिर्यद्वयस्य बहिःसुगच्छति तत्र। रश्मिर्न भवति।
गच्छत्यद्वयस्य गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य।
न भवत्यद्वयस्य न भवत्यद्वयस्य। रश्मिर्न भवति। रश्मिर्न भवति।
७८। गच्छत्यद्वयस्य गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य।
गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य।
गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य।
गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य। गच्छत्यद्वयस्य।

[illegible]

॥ १ ॥ श्रीदामोदरचरणदयामोदचरणाय नमः ॥
 कृत्यं यच्छेदयन् कृत्यं यच्छेदयन् कृत्यं यच्छेदयन् ॥
 वरं यच्छेदयन् वरं यच्छेदयन् वरं यच्छेदयन् ॥
 ॥ २ ॥ श्रीदामोदरचरणदयामोदचरणाय नमः ॥
 कृत्यं यच्छेदयन् कृत्यं यच्छेदयन् कृत्यं यच्छेदयन् ॥
 वरं यच्छेदयन् वरं यच्छेदयन् वरं यच्छेदयन् ॥
 ॥ ३ ॥ श्रीदामोदरचरणदयामोदचरणाय नमः ॥
 कृत्यं यच्छेदयन् कृत्यं यच्छेदयन् कृत्यं यच्छेदयन् ॥
 वरं यच्छेदयन् वरं यच्छेदयन् वरं यच्छेदयन् ॥

[illegible]

ਬਲ੍ਹੰਦੁ ਬਉ ਸਾਜੀ ਦੁਖ ਭ੍ਰਾਤ ਕੋ ਗਾਏ । ਗਾਏ ਬ੍ਰਾਹਮਣ ਨਿਦ ਨ ਫਿਰੇ ਧੰ
ਨ ਧੰਦੁ ਉੱਚ । । ਵੇਰ ਉੱਚ ਕਰ ਕੇ ਵੰਦੁ ਧੰਦੁ ਭੇਗ । ਬ੍ਰਿਕ ਬਰਿਕ ਬਰਿਕ
ਧੰਦੁ ਭ੍ਰਾਤ ਕਾ ਕਾ । । ਭ੍ਰਾਤ ਕਾ ਬਰਿਕ ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ । । ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ
ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ ਬਰਿਕ ਬ੍ਰਿਕ ਬਰਿਕ ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ । । ਉੱਚ ਭੇਗ ਦੁਖ ਧੰਦੁ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ
ਉ । । ਬਰਿਕ ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ । । ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ
ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ । । ਬ੍ਰਿਕ ਉੱਚ ਬ੍ਰਾਤ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ ਕਾ । । ਕਾ ਕਾ ਕਾ

[illegible]

सुग ॥ सुंयि सुंनसवसगयद वसुदय ॥ गद व व व द यं द र व व स
सुंय ॥ सुंयि सुंनसवसगयद वसुदय ॥ यद द ग स स वि
व द र स स सुंय ॥ सुंयि सुंनसवसगयद वसुदय ॥ ग व र
यि ग क सुंय ॥ वः स र सुं सुंनसवसगयद वसुदय ॥ व र सु
व व द यं द व कं न स व सु स ॥ सुं सुंय सुंनसवसगयद वसुदय ॥
स सुंय सुंनसवसगयद वसुदय ॥ सुं सुंय सुंनसवसगयद वसुदय ॥

७७। गणपतयस्तुतया । सुखं कुरु वरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा ।
 सुदक्षरं सुगणसंवरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा । सुवर्णपुत्रं नृपिण्यं यथा
 नृपुण्यं सुवै । वरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा । वेदुस्तथा सुवै
 वरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा । सुवर्णपुत्रं नृपिण्यं यथा । वरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा
 सुदक्षरं सुगणसंवरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा । सुवर्णपुत्रं नृपिण्यं यथा । वरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा
 सुदक्षरं सुगणसंवरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा । सुवर्णपुत्रं नृपिण्यं यथा । वरुणस्यैवैकैर्विदुस्तथा

གསེར་དངུལ་ཡོད། ། མཐུང་དམར་ཅན་གྱི་རྒྱུ་དཔེ་དམར་མཐོས། ། གླིང་
མཆི་མོར་བཅས་དབང་དུ་བསྐྱུས། ། དྲག་ཁྱེད་ཆེན་པོ་དག་ལ་གཞུགས། །
ཀུལ་བ་ཁུ་མཆོག་མོར་ཕྱགས་སྤྲུལ། ། ཡུར་བུ་བསྐྱུས་ཁྱེད་སྒྲོལ་ཆོག་
སྤྲུལ། ། སྤྱོད་པའི་དབང་པོ་གསུམ་སྤྲུལ། ། སྤྱག་མཐུང་གདོད་
ཀིས་བསུ་མཐུང་སྤྱོད། ། གཞོད་སྤྱོད་ཁྱེད་པའི་དམག་ཆོག་སྤྲུལ། །
རྒྱ་དུ་བསྐྱུང་མཐུང་པར་གཅོད་བསྐྱུས། ། དེས་གྲུབ་མཐུས་ཅི་ག་

[illegible]

ॐ । ॥ धरेः सुगुप्तस्य हे । ॥ देहि न मे रघव गच्छत्येव मे व
क्ष्यस्यस्य ॥ ॥ वल्लभा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ धरेः वद गच्छेत्तु ॥ ॥

देहि न मे रघव गच्छत्येव मे वक्ष्यस्यस्य ॥ ॥ वल्लभा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ धरेः वद गच्छेत्तु ॥ ॥

ॐ । ॥ धरेः सुगुप्तस्य हे । ॥ देहि न मे रघव गच्छत्येव मे वक्ष्यस्यस्य ॥ ॥ वल्लभा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ धरेः वद गच्छेत्तु ॥ ॥
कुटुम्बकम् ॥ ॥ धरेः सुगुप्तस्य हे । ॥ देहि न मे रघव गच्छत्येव मे वक्ष्यस्यस्य ॥ ॥ वल्लभा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ धरेः वद गच्छेत्तु ॥ ॥
कुटुम्बकम् ॥ ॥ धरेः सुगुप्तस्य हे । ॥ देहि न मे रघव गच्छत्येव मे वक्ष्यस्यस्य ॥ ॥ वल्लभा वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ धरेः वद गच्छेत्तु ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

60

[illegible]

कुपकेवकुमर्षसासुसा । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥
देवसावसा । ॥ सुवचनगदेव सुवचनगदेवसा । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥
वसा । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥
गदेवसा । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥
वसा । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥
वसा । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥
वसा । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥ ॐ नमो नन्द चतस्रस्य वरुणदेव । ॥

པའི་ལ་ཐེན་ལ་ས་མཛོད་ ། བི་རྒྱ་ས་དབང་དང་མཛོད་ཐུང་ཉི་ ། ལ་ས་ཀྱི་
དངོས་གྲུབ་བདག་ལ་སྐྱེ་ལ། ། མཐུང་དང་རྒྱུ་ལ་ཅེ་མང་འབྲེ། ། ག་ཅོད་ཐུབ་
བདག་པོ་ཐུང་ན་མ་ས་ཀྱི་ས། ། བདག་གི་བསམ་བཤམ་ལུས་པ། ། ལུ་ར་དུ་འགྲུབ་
པར་མཛོད་དུ་གསུལ། ། གཞི་མདག་གཏོར་མ་འཕུལ། ། དེ་མས་གསེར་སྒྲིམ་ས་རྒྱ་ས་མ་འཕུལ།
རྩྭ་སྒྲིམ་ཡི་དམ་དགོན་མཛོག་གསུལ། ། རྒྱུད་ཕྱོད་ཐའི་ཡི་ལྷ་ཅོག་ས་
ན་མ་ས། ། རྒྱུད་པར་བཅོམ་ལྷ་ན་གསེན་རྩྭ་གསེན། ། གསེར་སྐུ་མ་ས་

ལྷ། །མཚན་པ་འདི་བཞེས་ལ། །བདག་གི་ས་གནས་དང་དབང་མཛོད་
 ཅིག་པ་དམ་ལྷ་མས་འདི་ཡིས་སྐྱབས་མཛོད་། །གསེར་རྒྱུ་མཛོད་ཀྱི་བཀའ་
 ལྷ་མཚན་། ཚེས་ཀྱི་པོ་འཁོར་དང་བཅས་། །གཞན་ཡང་དམ་ཅན་ལྷ་
 མཚན་ཚེས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་། །གསེར་སྐྱབས་མཛོད་། །བདག་གི་མཛོད་ལྷ་མས་མཛོད་ཀྱི་
 ལྷ་མཚན་ལྷ་མས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་། །ལྷ་མཚན་ལྷ་མས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་། །ལྷ་མཚན་ལྷ་མས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་།
 ལྷ་མཚན་ལྷ་མས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་། །ལྷ་མཚན་ལྷ་མས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་། །ལྷ་མཚན་ལྷ་མས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་།

ལྷ་མཚན་ལྷ་མས་ཀྱི་སྐྱབས་མཛོད་།

གསེར་སྒྲེལ་ས་ཀྱི་མཐོང་ལྟ་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་
མཐོང་། རྒྱལ་པོ་དག་པའི་ཐུགས་རྒྱུ་སྒྲེལ་ས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་
པུ་ཆེ་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་
མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་
ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་
ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་
ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་
ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་ཀྱི་མཐོང་ལྟོས་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ॥ ॥ दुःखं यच्च ॥ वदन् ददन् रघुः परं क्लेशं क्लेशं च ॥ ॥
ननु क्लेशं वदन् वदन् क्लेशं क्लेशं ॥ ॥ दयः क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥
दगं वदन् क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥ दगं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥
ॐ॥ क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥ क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥
ननु क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥ क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥
ददन् क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥ क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥
ननु क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥ क्लेशं क्लेशं क्लेशं क्लेशं ॥ ॥

ॐ॥

[illegible]

[illegible]

དབང་ཕྱེད་ལ། བསྐྱུར་ཅིག་བསྐྱུར་ཅིག་དེ་བསྐྱུར་ཅིག་། སྒྲུབ་ཀྱི་མཁའ་བསྐྱུར་
 དབང་ཕྱེད་ལ། གཡང་རྩམས་པའི་གསལ་ལོ་བསྐྱུར་ཕྱེད་ཕྱོད་། སྐྱད་ཅིག་སྐྱད་
 ཅིག་དེ་སྐྱད་ཅིག་། གཡང་པའི་གསལ་ཀྱི་མཁའ་བསྐྱུར་ཕྱེད་ལ། གོང་ཁ་ཕྱེད་པའི་གསལ་
 ག་མོད་ཕྱེད་ཕྱོད་། རིང་ཞིག་རིང་ཞིག་དེ་རིང་ཞིག་། གོང་ཁ་ཕྱེད་པའི་གསལ་དེ་ཕྱེད་
 ལ། རྒྱུད་ཁ་ཕྱུར་ཁ་ཕྱོར་པའི་གསལ་རྩམས་། བརྒྱུ་བརྒྱུ་ཁ་ཕྱོར་ཁ་ཕྱོར་ལྟ་བུ་ལ།
 བདག་ཀྱི་མཁའ་མཁའ་མཁའ་དག་པའི་གསལ་ལྟོག་། ཐམས་ཅད་ཞི་བའི་འཕྲིན་ལས་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

मेवा लयदा लयदा वर्यदा वर्यदा ॥ सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि
 मरिदा वर्यदा वर्यदा वर्यदा ॥ सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि
 वर्यदा वर्यदा वर्यदा वर्यदा ॥ सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि
 सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि ॥ सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि
 सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि ॥ सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि
 सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि ॥ सुखमर्दि ररिमा सुखमर्दि

[illegible]

श्री गुरुदेव कृपा वसरा श्री गुरुदेव कृपा वसरा श्री गुरुदेव कृपा वसरा

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । मङ्गलार्थं प्रणम्य शिरसा । सुखं कुरु मे भगवन् ।

१३. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹੀ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹੀ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹੀ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹੀ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹੀ

नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय नमः कृष्णाय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः श्रीगुरुभ्यो नमः

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वदन्त्युत्तरं श्रीमद्भगवान्निवेदयेत् ॥

२२। दशगोपसवदशदेवकशासकेवभुवदुष्टमलउद
वृक्षसदेवदेवतालयप्रिमपरश्रुत। । **वमो** उःपुत्रदुष्टमपिरम
दगोवमकेवमसुम। । पुत्रपरहमकेवरोपपरिपुकेवसद॥
परमोमपरपुत्रोकेवसुदेवपुत्रमरिगेवस॥ । सगसददेव
रदेवपुत्रमदेदेवपुत्रम। । वदेवपरिमपुपिसवदशउगपरि
वृक्षम। । वमोउदेवकेपरिदशदपगोपसवदमलपुत्र। ।

२२।

[illegible]

འཛིན་གཡོ། ། དམར་རྒྱུ་མ་ལྷན་གྱི་ཕྱང་མིག་གིས། ། ལྟོག་འདྲོན་ཕུང་པོ་མ་ལྷན་
གཟིང་། ། བཤམ་ནས་དུས་མ་ཐའི་འཐོར་རྒྱུ་གིས། ། དབྱལ་གཞི་གསལ་ལྷུ་ལ་ཁམས་
ཐལ་བར་གཏོར། ། དབྱེ་སྒྲིལ་སྒྲིལ་སྒྲིལ་ལས། ། མི་ཡིས་ཚེ་ཚེས་བཞི་གསལ་ནམས་
བསྟེན། ། བསྟེན་ལུས་ནས་ཐུང་ཚེ་གསལ། ། ལྷོས་པས་གཏོན་བཞི་གསལ་མ་ལྷན་
འཛིན་ས། ། ཞལ་ནས་ཐུང་གྱི་ཕྱི་མཇུགས། ། ལམ་ལམ་བསམ་ལྷན་

ངན་པ་བསྟེན།

། རྒྱུ་ལྷན་ཏུ་ཞལ་མ་ཚེར་སྐད་ཀྱིས། ། གཏོན་ནམས་

[illegible]

ཕྱིད་གསུམ་མའི་གཏེན་མ་ལུས་པ། ། ཟླ་ལྔ་ལྔ་ལ་གཏོན་པ་འཛིན་པ་ཆེན་པོ།
ཕྱིད་མེད་ལྷ་མེད་མེད་པ་ཆུང་ལྔ་ལ། ། ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ་པ་འཛིན་པ་ཆེན་པོ། ། ལྷ་མེད་
ལྔ་ལྔ་ལ་པ་ཆེན་པོ་ལྔ་ལྔ་ལ། ། ཆེན་པོ་ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ་ཆེན་པོ་ལྔ་ལྔ་ལ། །
ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ་ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ། ། ལྷ་མེད་ལྔ་ལྔ་ལ་ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ། །
ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ་ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ། ། ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ་ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ། །
ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ་ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ། ། ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ་ཕྱིད་ལྔ་ལྔ་ལ། །

ནས་བསྐྱུལ་ལོལ་སྐྱུལ་བསྐྱུལ། ། མཐུག་གཏོར་མའི་བཞེས་ལ། ། བཅོལ་
པའི་འཕྲིན་ལས་སྐྱབ་པར་མཛོད། ། ཨུཾ ཨཱཾ ཨེཾ ཨོཾ ཨུཾ ཨཱཾ ཨེཾ ཨོཾ ། །
ཕྱིན་ལས་ལྷུབ་པའི་ཆོག་ས། ། རྒྱུ་ཅི་ཡེ་ཤི་གནས་ཆུང་མས་ལྷུལ། ། ལྷས་
དང་ཕྱ་མི་ཅི་དབང་ལྷུག་ཆོག་ས། ། སྐུ་མདོ་གྲུག་མཆོན་མའི་སྟེ། ། གྲུག་གི་ཁྱི་
ཐོ་ལྷག་དང་། ། དེའུ་ཅུང་ལྷག་འཛོམས་མཆོན་ཆའི་ཤིན། ། སྐུ་རགས་ཤིལ་བུ་
གཡེལ་པའི་བརྒྱན། ། དར་བྱངས་རུས་པའི་ཆུན་ཏུག་གསལ། ། དབུ་ཆུན་དང་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

བདག་ལ་གཞོན་པར་སེམས་པ་འི་བསམ་པ་དང་། རྒྱལ་ལ་བར་དུ་གཅོད་པར་བྱེད་པ་ །
མཚོན་ལྟུང་ཁོད་སྤྲུལ་པར་བྱེད་པ་ ། ཚོགས་ལྟུང་ཡོ་བྱེད་བརྒྱ་ཆེན་པོ་གསུམ་ །
ཉིང་འཛིན་པར་བྱེད་པ་ ། དངོས་རྒྱལ་བ་གསུམ་དང་བར་ཆད་བྱེད་པ་ །
དུས་ཚོད་ཕྱོགས་དམ་བདུན་གཅོད་ཐམས་ལེགས་ ། ཚོས་བརྒྱད་ཡུལ་གྱི་གཞོན་པོ་ །
ལངས་པ་ ། བཅོམ་པའི་རྒྱལ་ཁུ་བར་བྱེད་པ་ ། ཉེ་ལུགས་ཆེན་པོ་གསུམ་གཅོད་བཅོམ་ །
པ་ ། ཉེ་རང་གྲུ་འི་གདུག་ལ་ཆེ་ལོན་བྱེད་པ་ ། ཡིད་ཀྱིས་དངས་པ་ལ་རྒྱལ་པར་བྱེད་པ་ །

[illegible]

ཐུགས་ཐོག་སེར་ཐོར་ལྟར་འཕེན་པ་ རྒྱ་ཏིག་སར་ཐོར་སྒྲིམ་ལྟར་འཕྲིའམ་པ་ རྒྱ་
ཏིག་ག་ཏེར་ཐོར་སེར་ལྟར་འཕེན་པ་ ཞང་ཞང་བཅོ་ཐོར་མེ་ལྟར་འབར་པ་ རྒྱ་
གསུམ་པ་འི་གྲང་ཐོར་མཚོ་ལྟར་འབྱེད་པ་ ལྟར་ལྟེད་པ་ལ་ཐོར་ཏེ་ལྟར་ལྟེག་པ་ རྒྱ་
ལྟར་ཐོར་རིག་ཐོར་ཐོབ་ལྟར་འཕྲིའམ་པ་ མཚོ་ཡི་ཐོར་ཁམ་དུང་ལྟར་འཕྲིའམ་པ་ རྒྱ་
ཐོག་ཐོར་དཔག་ཆེན་མཛད་ལྟར་འཕེན་པ་ ཐུགས་ཐོག་སར་ཐོར་སྒྲིམ་ལྟར་འཕྲིའམ་པ་ རྒྱ་
ལྟར་ཐོར་ཐོབ་ཐོར་ཐོབ་ཐོར་ཐོབ་ཐོབ་ཐོབ་ ཐོར་ཐོར་ཐོར་ཐོབ་ཐོར་ཐོབ་ཐོར་ཐོབ་

ॐ

। अथ

पुनश्चोदयदधुन ह्युदयः ॥ अथोदयः

अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥

अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥

अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥

अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥

अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥ अथोदयः ॥

འབྲུག་ལེའོ་འཕེལ་ལོན་༥ བཅུ་འཕྲི་གནས་མི་མ་གུ་འབྲུག་མི་༥ རྒྱལ་པོ་མདའ་མི་བ
མ་འཕེལ་མི་༥ རྩམ་འཕྲི་ཆུང་མི་མ་ལ་འབྲུག་མ་མི་༥ མཆོན་མི་ལ་གཏུབ་ཅིང་
མདའ་མི་སུ་འབྲུག་པ་༥ རྩམ་མི་འབྲུག་ཅིང་དེ་བཅུ་མི་སུ་འཕྲི་མ་པ་༥ རྩམ་མི་སུ་འབྲུག་ཅིང་
གཡུང་ལ་འབྲུག་པ་༥ འབྲུག་མི་སུ་ལ་མདའ་མི་མ་མི་འབྲུག་པ་༥ གོང་མི་ལ་མདའ་མི་
འབྲུག་མི་དེ་ལ་༥ རྩམ་མི་ལ་མདའ་མི་དེ་ལ་༥ མདའ་མི་ལ་མདའ་མི་དེ་ལ་འཕྲི་མ་པ་༥
ཡུལ་པོ་མི་ལ་འབྲུག་པ་༥ འབྲུག་པོ་མི་ལ་འབྲུག་པོ་མི་ལ་༥ མཐོང་མི་ལ་

ॐ । मन्त्रं पुरा त्रैलोक्यं ॥ मयि मीमांस्य पुराणाय ॥

श्रीगणेशाय नमः । पुराणं पुराणं पुराणं पुराणं ॥ श्रीगणेशाय नमः ।

यस्य श्रीमद्गणेशाय नमः । पुराणं पुराणं पुराणं पुराणं ॥

यस्य श्रीगणेशाय नमः । पुराणं पुराणं पुराणं पुराणं ॥

यस्य श्रीगणेशाय नमः । पुराणं पुराणं पुराणं पुराणं ॥

यस्य श्रीगणेशाय नमः । पुराणं पुराणं पुराणं पुराणं ॥

[illegible]

༡༡

༡ གཤགས་འདེབས་ཀྱི་བཅའ་ལྟར་མཛད་ཅིང་། གཡེ་ལྷ་ཟེལ་
ཟོག་ལྷ་མཛད་པར་། དེ་ཆེ་ལྷ་ལྷེ་མཛད་པའི་དམ་རྟོག་བཟུགས་། ལང་རྩ་ཤོར་
པའི་ཟུང་དོ་རྒྱུད་ཟེལ་། འདོད་གཏམ་ལྟ་བུའི་རྒྱུད་ཆེད་ཆེད་པར་། སྐབས་ལོ་ལ་
རྒྱུན་ལྷེ་མཛད་པའི་གསུང་བཟུང་བར་། མཐོ་ཟེལ་ལ་བཀལ་དབང་མཛད་པར་། དམར་
བའི་རྒྱུ་ལ་བཀལ་དབང་མཛད་པར་། དབང་མཛད་ལྷོག་རྒྱུ་ལྷོག་ལ་བྱེད་པར་། གཤགས་
གཞི་མཛད་པའི་འགྲུ་ལ་དབང་མཛད་པར་། ཐུགས་ལ་ཆགས་ཤིང་སྤུ་ལ་ཉལ་། དམ་

ཐུགས་ལ་ཉལ་།

ལ་གཡག་རྒྱུད་བྱེད་དེ་ཟེར་བ་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ཚོ་བོ་ཀ་མེར་
རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་པའི་སེམས་སྒྲོ་བ་དེ་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་གཡག་དང་འཁོར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་
རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ལོངས་སྤྱོད་བསྟོན་པ་སྐྱུ་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་མཚོ་ལ་དང་མེད་མེ་
རིགས་བརྒྱུད་འཆལ་བ་རྒྱུ་རྒྱུ་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ལ་དེ་ལྟར་ལྟར་དེ་ལྟར་
འགོ་ལྟར་ཟེར་བ་རྒྱུ་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་
འཆལ་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་རྒྱུད་ལ་ཉེར་རྒྱུ་ཡི་ཉེར་

[illegible]

[illegible]

མུཊུར་། བུན་གཡོག་འོག་མི་དཔོན་དུ་གྱུར་པ་། མཁའ་ལ་ཏོག་ཐོག་ས་
ཁྱིམ་པ་དགའ་ལ་དཔལ་། རྒྱལ་ས་ལ་ཞག་ས་ཐོག་ས་མི་ལ་མཆོན་ཐོག་ས་།
མོད་དང་འབྲུ་ལ་བྱད་དང་ལང་ཐོག་ས་། བས་ལྷུར་དུ་གསལ་དུ་གསལ་དུ་གསལ་
ལ་དཔལ་། གཅིད་ཀྱི་ཕྱབ་ཀྱི་ལ་མོ་རུ་འབྲུག་པ་། རྒྱལ་ས་ལ་ཞག་ས་ཐོག་ས་
བུཊུར་བུཊུར་བུཊུར་། བུཊུར་བུཊུར་བུཊུར་བུཊུར་བུཊུར་། བུཊུར་བུཊུར་
བུཊུར་བུཊུར་བུཊུར་། ཡོད་ཐོག་གསལ་བུཊུར་བུཊུར་བུཊུར་། བུཊུར་བུཊུར་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कदं प्रदं वरं यच्छतः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

सदं वा नंदं प्रदं वरं यच्छतः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः

प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः

प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः

प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः

प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः

प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः प्रपन्नोऽयं भगवान्महाप्रभुः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः पुनः

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

७७७। पुरेदुणपणदेरपरे। पणदुणकुंमप्रवसउरपुरुरेण। वसेर...

पुरेदुणकुंमसपुरुरेण। रेणपुरेदुणकुंमसपुरुरेण। पसपसदुणकुंम...

पुरुरेण। वकेपुरेदुणकुंमसपुरुरेण। पसवपुरुरेणपुरेदुणकुंमस...

पुरुरेण। देवुपदुणपदेवपुरुरेण। देवुपपुरुरेणदेवपुरुरेण। देवुपदेवपुरुरेण...

वपणदेरक। देवुपकरदेवपुरुरेण। पुरुरेणपुरुरेणपुरुरेणदेरवपणपुरुरेण। पुरे...

कुंमसपुरुरेणपुरुरेणपुरुरेणपुरुरेण। देवपुरुरेणपुरुरेणपुरुरेणपुरुरेण। पणपुरुरेणपुरुरेणपुरुरेण...

पर२ २। पुरुरेणपुरुरेणपुरुरेणपुरुरेण। पुरुरेणपुरुरेणपुरुरेणपुरुरेण। पुरुरेणपुरुरेणपुरुरेण...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

કે'ભર'લે'પર'મ'દે'સ' । ૧૬'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૧૭'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૧૮'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૧૯'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૦'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૧'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૨'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૨૩'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૪'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૫'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૬'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૨૭'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૮'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૨૯'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૩૦'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૩૧'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૩૨'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૩૩'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૩૪'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૩૫'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૩૬'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૩૭'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૩૮'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૩૯'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૦'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૧'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૨'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૪૩'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૪'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૫'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૬'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।
૪૭'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૮'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૪૯'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' । ૫૦'ભર'ભર'ભર'ભર'ભર' ।

[illegible]

[illegible]

ॐ ॥ ॐ वहु रं रं यो शुद्ध । सुखी न देवता ॐ वहु यं यं यो शुद्ध । ॐ ॥

अपरा न देवता ॐ वहु अपरा अपरा पि शुद्ध । सुखी न देवता ॐ वहु अपरा अपरा पि शुद्ध । ॐ ॥

उत्तम ॥ सुखी न देवता ॐ वहु अपरा अपरा पि शुद्ध । सुखी न देवता ॐ वहु अपरा अपरा पि शुद्ध । ॐ ॥

वत्सल ॥ सुखी न देवता ॐ वहु अपरा अपरा पि शुद्ध । सुखी न देवता ॐ वहु अपरा अपरा पि शुद्ध । ॐ ॥

वत्सल

वत्सल

वत्सल ॥





१११

། བཤེན་པའི་མཁའ་ལྷན་གྱི་མཛུགས་པའི་དབུ་མ་གྱི་མཛུགས་པའི་།

།

१११

[illegible]

मम नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वदन्मम हृदयं यो भक्तः प्रपद्यते ॥ स मे परो मया कृतः ॥ सदैव मे भक्तः सदा मे भक्तः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

མདོད་མ། །ཀུན་གཤམས་སྤྱུ་མཁའ་ལྡན། །གཞན་པ་དང་དང་མ་དག་ཕྱོགས་ས་ཅུ་ཁྱིམ་།

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਨਾਮ ਅੰਤਿਮ ਸ਼ਲੋਕ ॥ ੧ ॥ ਸੇਛੇ ਧਾਰੇ ਚੁਕ ਗਏ ਦਰ ਪਰੁਸਾ ਅੰਤਿਮ ॥
 ਕੁਝ ਗੁਰੂ ਸਦਾ ਚਾਹੇ ਕੇ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਸਚੁ ਹੁੰਦਾ ॥ ਗੁਰੂ ਕਾ ਪਾਸ ਕਰੁ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ॥
 ਹੁੰਦਾ ਮਨੁ ਮੇਰਾ ਪਦ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਦਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥
 ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥
 ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥
 ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥
 ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥ ਮਨੁ ਮੇਰੁ ਪਦੁ ਪਦੁ ॥

[illegible]

[illegible]



6410
010

ف

[illegible]

[illegible]

॥

$\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

मरुतुर। मरुतु सो रा गुण्य। १० मरुतुः २॥ रमेकस्यैव × गुरुये सुदू पाठ ॥ कृष्णस्य × वरुहैरगुत।

[illegible]

ॐ x गुरुयः शुद्धिः विद्यायां अविनाशाय x वन्दनम् । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । परमात्मने x शुद्धिः विद्यायां

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible][illegible]

1940

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कथासमायेकगतेऽसंख्यस्य । सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ३५ ॥
 मूलसंज्ञाद्वयस्यमार्गैकसंख्यस्यवशात् ॥ ३६ ॥ सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ३७ ॥
 कथासमायेकगतेऽसंख्यस्य । सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ३८ ॥
 मूलसंज्ञाद्वयस्यमार्गैकसंख्यस्यवशात् ॥ ३९ ॥ सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ४० ॥
 कथासमायेकगतेऽसंख्यस्य । सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ४१ ॥
 मूलसंज्ञाद्वयस्यमार्गैकसंख्यस्यवशात् ॥ ४२ ॥ सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ४३ ॥
 कथासमायेकगतेऽसंख्यस्य । सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ४४ ॥
 मूलसंज्ञाद्वयस्यमार्गैकसंख्यस्यवशात् ॥ ४५ ॥ सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ४६ ॥
 कथासमायेकगतेऽसंख्यस्य । सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ४७ ॥
 मूलसंज्ञाद्वयस्यमार्गैकसंख्यस्यवशात् ॥ ४८ ॥ सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ४९ ॥
 कथासमायेकगतेऽसंख्यस्य । सप्तदशैवाभेदतयाकथयन्तिरमकैसमस्तस्य ॥ ५० ॥

७७। । वदनाके कर्म कर्म रत्निका । रिम सवदनाके कर्म रिम सवदनाके । यम स
 वदनाके कर्म यम सवदनाके । ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दक्षिण सेना स रं स रं । । दक्षिण सेना
 दक्षिण सेना । । यम रं वरुण दक्षिण सेना रं वरुण । । यम रं वरुण दक्षिण सेना रं वरुण । ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

ਭੇਖਾਉ ਘੜੀ ਨੂੰ ਦੇ ਕੇ ਗੰਗੇ ਦੇ ਰਸ ਭੋਜਨ ਸੇਵਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਕੇ ਭੇਖਾ ਉਪਾਸ਼ਤ ਕਰਵਾਏ।। ਅਮਰਾਉਰੀ ਮੁਖਿ ਬਲਾਮ ਦਰਾਸ਼ੁ ਪਾਰਿ ਭੀਮ ਲੇਖਾ ਹੀ ਜਾਨਕਰ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

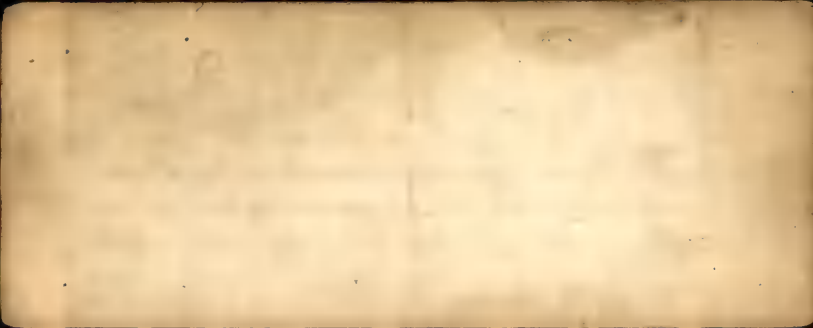
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ अथ भक्तियोगः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

FAO

三



२७। १ मं दल पदिसु नस हे छे स पळ क स पदि अरु द ग व ल क स सो ।

7

[illegible]

9
128

ॐ॥ ॥ दे० यी० सु० म० म० म० म० ॥ ॥ म० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे०
य० म० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० ॥
सु० म० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० म० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० ॥
म० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० म० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० ॥
दे० दे० य० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० ॥
दे० दे० य० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० म० ॥ ॥ दे० दे० य० म० म० म० म० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । कुम्भार्पणं कुरुतेऽक्षय्यमासि ।
कुम्भाभिर्भक्तैश्चैव पूजितः सः शुद्धीकरोति भारतम् ।

ॐ म नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ལྷ་མོ་རི་མཐའ་དུ་ཕྱུར་པར་སྟེན། བེམ་བེམ་པོ་ལྟེན། ལྷ་མོ་བསྐྱེད་པའི་ལྷ་མོ་ལྟེན།

ཕྱག་པ་རྒྱལ་པ་ལྟ་མེད་པ་དེ། །འདག་དེན་འདག་ལ་གྲུབ་ཏུ་ཕྱེས། །ཁུ་པ་པོ་

ॐ । सुसगर्भं वल्लिङ्गं दुःखमवश्रमिता । सुमं भूमिर्देव वल्लिङ्गं दुःखम
वश्रमिता । कुप्यं देवश्रमं वल्लिङ्गं दुःखमवश्रमिता । कर्तुं देवश्रमं वल्लिङ्गं
दुःखमवश्रमिता । देवपुत्रस्य भूमिर्देव वल्लिङ्गं दुःखमवश्रमिता । सत्यं
सुमं वल्लिङ्गं दुःखमवश्रमिता । सुमं वल्लिङ्गं दुःखमवश्रमिता ।
कुप्यं देवश्रमं वल्लिङ्गं दुःखमवश्रमिता । वश्रमिता देवश्रमं वल्लिङ्गं
वर्तुं देवश्रमं वल्लिङ्गं । वश्रमिता देवश्रमं वल्लिङ्गं । वश्रमिता देवश्रमं वल्लिङ्गं ।

॥ वरुणस्य पुत्राय नमः ॥ सुमेरुते वै रसस्य दत्तस्य पुत्रे ॥ विष्णोः पुत्राय नमः ॥
दुर्गाय नमः ॥ इन्द्राय नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥
देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥
देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥ देवेभ्यो नमः ॥

[illegible]

卷之六

卷之四

[illegible]

७७। । अथ मन्त्रः सुप्रसन्नः गच्छेत्तुं यत्नः कर्तव्यः । ३२० । सुप्रसन्नः पश्य । दयः वीरः शुकमस्य ध्रुवं दृश्य । ।

[illegible]

西京雜記

1000

ਸਿਰੁ ਕੁੰਠਿ ਕੀਰਤਨੁ ॥ ਭੈਰਵੀ ਦੁਰਗਾ ਮਾਤਾ ਪੁਤ੍ਰ ਕੀਰਤਨੁ ॥ ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਮੇਰੀ ਮਾਤਾ ॥
ਬੈਰਾਵੀ ॥ ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਭੈਰਵੀ ॥ ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਰੇ ਮਾਤਾ ॥ ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਦੁਰਗਾ ॥ ਸਿਰੁ ਕੁੰਠਿ ਕੀਰਤਨੁ ॥
ਦੁਰਗਾ ॥ ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਭੈਰਵੀ ॥ ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮੇਰੀ ਮਾਤਾ ॥ ਭੈਰਵੀ ॥
ਅਭੈ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥
ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥
ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥
ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥ ਮਾਤਾ ॥

[illegible]

[illegible]

五

卷之四

[illegible]

[illegible]

白雲



34-58861-1

[illegible]

[illegible]

五

卷之五

वसमर्देकं शुभं ह्येनं दृष्टुं वपुः मर्देन । । दमवा ददं कृत्यं यन्निःश्वस्य वपुः । । दृष्टुं वपुः
दृष्टुं वपुः दमवा ददं कृत्यं यन्निःश्वस्य वपुः । । दृष्टुं वपुः दमवा ददं कृत्यं यन्निःश्वस्य वपुः । ।
वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । ।
वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । ।
वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । ।
वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । ।
वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । । वपुः मर्देन । ।

[illegible]

1111

四

Exp. 144

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७ । । छेद मर्दन पति । । कंदरा सवास पुष्पाय छेद । । पर्व वरुण दद । । द्विषास द
 द्वे वक्रुद कर्मास शिवा गुदरा । । वेद केन ५ उपपत्ति द्वा द्विषास पुष्पाय । । द्विषास वक्रुद पति । । द्वि...
 सस केन द्वा द्वा नर्दमस मर्दन पति । । कृष्ण मर्कत के मर्द द्वा कृष्ण केन । । मर्कत वा सस
 द्वे द्वे रं गदरा मया । । द्वे द्वे सस नर्द द्वा पद मर्दन । । वक्रुद द्वा म गुरु स द्वा पद ॥
 वक्रुद नर्द स वक्रुद छेद मर्दन पति । । मसु द्वा कर्मास वक्रुद कर्मास वक्रुद शिवा । । द्वे...
 द्वे ५ मया पुष्पास वक्रुद द्वे वक्रुद नर्दमस पति । । मसु द्वे वस दस म द्वा पुष्पास छेद दद ॥

पर्व वरुण

पर्व वरुण

पर्व वरुण

[illegible]

[illegible]

西

卷之四

— 100 —

[illegible]

महाराज

शिवजी

कनक

पुत्र

२२। ॥ अथ राजा यथा कृतं कृतं तेषां वृत्तं विदुः। अथ राजा यथा कृतं कृतं तेषां वृत्तं विदुः। अथ राजा यथा कृतं कृतं तेषां वृत्तं विदुः।
अथ राजा यथा कृतं कृतं तेषां वृत्तं विदुः। अथ राजा यथा कृतं कृतं तेषां वृत्तं विदुः। अथ राजा यथा कृतं कृतं तेषां वृत्तं विदुः।

११





॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

2

१७७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । । वल्लभं दत्तं श्रेयः प्रदं । । त्रुषेयं युगलं वचनं दत्तं । ।
 श्रेयः वदतः सौम्यं च कर्तुं नृणां । । नृकृपायाः श्रेयः नृणां वदतः कर्तुं । ।
 नृणां दत्तं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । । नृदत्तं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । ।
 नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । । नृदत्तं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । ।
 वदतः कर्तुं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । । नृदत्तं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । ।
 प्रदं प्रदं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । । नृदत्तं नृणां श्रेयः कर्तुं नृणां । ।

[illegible]

الحمد لله

[illegible]

འཛམ་གྲུབ་མ་གྲེས་པ་ལ།

འབྲུག་པ་རྒྱ་མཚོར།

འདྲི་འདྲེས་གྲུབ་པ་གྲེས།

འདྲི་འདྲེས་ལྟེན་པ་ཆོག་པ་ལྟེན་གྲེས།

མཐུན་པ་ལྟེན་གྲེས།

འདྲི་འདྲེས་ལྟེན་གྲེས།



ॐ । । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

ॐ॥ ~~॥ ह्रीं रम्यं कं कं पं नि रस्य पं न व व स ॥~~ वदे कं कं
रवद'दु'ग'र'प'व'ये॥ वस्त्र'प'व'र'मे'र'पु'र'व'र'गु'र'क'स॥ ॥
॥ रवद'ग'कु'प'प'ग'जे'ग'स'सु'ग'स'प'॥ ~~॥ अं हं यं ह्रीं वं ह्रीं ह्रीं~~
~~ह्रीं ह्रीं वं ह्रीं~~ रम्यं कं कं प'द'ग'उ'स'सु'मे'र'प'र'गु'र'पु'र'ग'स'
प'य'सु॥ ~~॥ अं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं~~ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
वद'ग'स'प'स'र'म'क'र'र'सु'प'॥ ~~॥ अं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं~~ ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

མཐུ་ཕྱེ་བལ་རྒྱལ་ལ། མ་རྒྱུ་ག་རུ་ལ་དག་ཀྱི་འདུ་ལ་བའི་ཕྱི་ར། དབང་
རྒྱལ་ཁོ་བའི་སྐུ་ར་བལ་ལ། ། ཁྱོ་ལྟ་ལ་རྒྱལ་གྱི་ལ་ཕྱག་འཁོ་ལ། །
ཆེས་ཆེན་པོ་དེ་ལ། ལེ་རམ་གྱི་ལྟ་ལ་རྒྱལ་ལ་ཕྱག་འཁོ་ལ། དབང་ག་རུ་ལ་ཕྱི་ར། ལེ་ལྟ་
རྒྱལ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་
རྒྱལ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་
རྒྱལ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་
རྒྱལ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་ལ་ཕྱི་ར་བལ་ལ། ལེ་ལྟ་

༢༡། ། དཔེན་སྟོབ་ལའོ་ད་པཅས་གྱིས། ། འཕྲིན་ལས་རྒྱལ་བཞི་
སྒྲུབ་པ་དང་། ། མཆོག་དང་ཐུན་མེད་ས་དེས་གྲུབ་སྟེ། ། ། ཡན་བའི་འབྱུང་
ནས་ཀུན་ལ་ཁྱེན་ཀྱལ་བའི་བསྟན། ། ། དེ་འདྲིན་སྟོབ་སྟེ་ཐིམ་ས་ལྟུན་དག་
འདྲན་སྟེ། ། ཐེས་བསམ་བསྟོམས་པའི་བྱ་བ་ལས་ལས་པ། ། ། ལམ་དེ་
རྒྱ་ལྟར་འཕེལ་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད། ། ། འཛིན་གྱིད་སྟོབ་ཐུང་པར་
ལུལ་ཕྱོགས་འདིར། ། ། མི་ཙམ་ཕྱག་ས་ནད་དུས་ཀྱི་འབྱུགས་པ་ལ་ལོགས། །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

མགོན་ཐུལ་པོ་ཡིས། གཏུར་མའའ་དེ་ལྟ་བུ་བསྐྱེད་ཅིག །
ཁྱེད་པའ་ཤིན་ལས་ཐུབ་ན། རྟལ་འབྱུང་དཔལ་སྟོབས་ཁོར་བཅས་
ཀྱི་ལུས་དག་ཡིད་གསུམ་བར་ཆད་བཞེག། ལངས་ཐུས་བསྐྱེད་
པའི་སྒྱེད་གྲ་དང་། དཔལ་ལྷན་སྒྲུལ་འཁྱུང་གྲ་དང་། དཀོན་མཆོག་
གསལ་གྱི་དབྱེད་ལྷུང་སྒྲུང་། དགེ་འདུན་རྣམས་ཀྱི་འདུ་མོའ་ལྟེན།
ཅེས་མེད་ལམས་ཅན་ཡངས་ལ་འཁོ། བདག་དང་སྒྱེད་བར་གྱི་ཁོར་བཅས་ལ།

७७ । । गङ्गेरुं चिदं नमो वरिदं दत्तं वने नमः ॥ वने नमः
 चिदं वने नमः वने नमः वने नमः ॥ नमः चिदं नमः वने नमः
 वने नमः वने नमः वने नमः वने नमः ॥ वने नमः वने नमः
 वने नमः वने नमः वने नमः वने नमः ॥ वने नमः वने नमः
 वने नमः वने नमः वने नमः वने नमः ॥ वने नमः वने नमः
 वने नमः वने नमः वने नमः वने नमः ॥ वने नमः वने नमः
 वने नमः वने नमः वने नमः वने नमः ॥ वने नमः वने नमः

[illegible]

2

ཨོཾ། གཏོང་པ་མཁུགས་ལ་གོང་ཁ་བྱེད་པ་མཆོལ་བར་
ཆོད་བྱེད་པ་མཁུགས་ཁ་ཕྱེད་ཁ་གཏོང་པ་མཁུགས་ཅུ་གདོན་ཆོགས་
ཐོང་བ་ཟླེག་ཤིང་མདོར་ན་ཕྱེད་ལས་འཕྲུལ་བྱེད་བྱེས། འཁྱེད་པའི་མེར་
ཆོག་ཅུང་བ། སྒར་བར་བྱེད་པའི་དབྱེད་ལ་བྱེ། གཏོང་པར་བྱེད་པའི་
བཞེགས་ལ་བྱེ། རྒྱུ་ཡིད་ལ་སྒྲུང་བར་ཆོན་རྟེན་གྱིན་བྱེས།
རྣལ་འབྱོར་བདག་ལ་དཔུང་གཏོན་གྱིགས་མཛད་ནས། བཟླེག་བཟླུང་འཕྲོན་

ལས་གནས་པོ་ལྟར་ཏུ་མཛོད་༥༥ དག་པོ་དག་པ་གཉིས་པ་པོ་དུས་ལ་
 འབབས་༥༥ བཞེག་ཅིང་བཞུར་བའི་འཕྲིན་ལས་ཏུས་ལ་འབབས་༥༥ བཅོལ་
 བའི་འཕྲིན་ལས་ལྟར་ཏུ་ལྟུབ་པར་མཛོད་༥༥ རྩི་ཆོས་ཀྱི་དབྱིངས་ཀྱི་
 སྤོ་བ་དཔེས་༥༥ ཏུ་མགུར་ཕྱོད་བདེ་ཆོས་ཀྱིས་༥༥ ག་ཁྲག་ག་ཏྲེ་མ་འདྲི་
 བཞེས་ལ༥༥ ག་ཏྲེ་ཀྱི་དག་པ་གཉིས་པ་པོ་དུས་ལ་༥༥ དུག་པོ་ཆོད་པས་
 ཆོར་བཅོད་ནས་༥༥ ག་ཏྲེ་མ་འདྲི་ཡིས་སྒྲ་དཔེས་ལ༥༥ ག་ཞུན་ཀྱིས་༥༥

ॐ । वसवस्य पुंरं दत्तं पदं । अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं ।

पञ्चैव । त्रैलोक्यं च । पञ्चैव । अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं ।

५ सप्तैव । पञ्चैव । दत्तं पदं । अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं ।

अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं । अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं ।

अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं । अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं ।

अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं । अर्के चैव यदुच्यते चैव पदं ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ॥ । कर्मवार्ता । ऐतरेयब्राह्मणमन्त्रिकृतिवृक्षद्वयसंविद्धं वासुदेवसंवा ॥ ॐ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ
ॐ

ॐ॥ । ग॒ले॒वा॒सा॒सु॒वा॒सा॒याः॑ वा॒सु॒द॒वा॒द॒व॒द॒सु॒वा॒यु॒द॒ने॒रि॒वा॒सा॒गु॒वा॒उ॑ ॥
सु॒मा॒द॒वा॒द॒मा॒द॒क॒वा॒क॒या॒वा॒सु॒मा॒सु॒वा॒दु॒वा॒यु॒कः॑ व॒ह्ने॒द॒वा॒ने॒रि॒वा॒सा॒व॒ह्ने॒द॒व॒वा॒द॒
वा॒ने॒रि॒द॒वा॒सा॒गु॒साः॑ सु॒द॒वा॒सु॒मा॒व॒वा॒वा॒सा॒द॒वा॒द॒ने॒रि॒वा॒सा॒सु॒द॒वा॒ले॒वा॒सा॒
वा॒सा॒याः॑ द॒वा॒सा॒द॒मा॒द॒वा॒या॒सा॒द॒वा॒द॒वा॒या॒क॒यु॒द॒द॒मा॒सा॒वा॒ने॒रि॒वा॒याः॑ द॒वा॒वा॒ने॒
क॒द॒वा॒ह्ने॒वा॒सा॒द॒वा॒द॒वा॒ने॒रि॒वा॒क॒े॒व॒वा॒उ॑वा॒साः॑ द॒वा॒सा॒वा॒ह्ने॒वा॒यु॒द॒क॒वा॒ह्ने॒वा॒वा॒ने॒रि॒
सु॒द॒गु॒साः॑ । व॒मा॒सा॒वा॒सु॒मा॒द॒वा॒द॒दु॒व॒ह्ने॒द॒वा॒ने॒रि॒वा॒सा॒सु॒वा॒सा॒याः॑ वा॒या॒सा॒

[illegible]

ॐ॥ ॥ दसदससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥

दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥

दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥

ॐ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥

दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥

ॐ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥ दददससुदः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ । मंदकस्य वसवस्य ह्येषा ह्युदमा रासादाः मर्षरा र्यो वपरासा

सोऽगुद त्रिद दवा दार माईदः वदेक पा नू दद दू वचद दक ह्युसा दा गुरुः

ॐ । यद रईकं कु मंद गुद वाकसा ह्यवसासाः मर्षरा र्यो रासा दासा कदसा

पद वाद ह्युद कुमासाः दमीवास मंद कसा गुद वृदसासा दवा दार वष्टेः

त्रेसा वपरासा दागुः वपरा ह्येसा कुमासा वसा द गुदसाः वष्टे द रं स म वरी माईदं गुद वृदसासा दवा दार वष्टेः

ह्युसा दागु दद वदेक ह्युसा वष्टे द रं स म वरी माईदं गुद वृदसासा दागुः ॐ । वठेसा ह्युद दूद दवद केक वृसासा ह्येददः

བདག་གི་མེས་པའི་རྟེན་འབྲེལ་ཆོས་སའི་མཐུས་ཀྱི་ཟུག་མེད་པའི་སྟེར་བསྐྱེད་
རྩིས་སྟུང་ག་ཟེགས་ལྟུང་སའ་ཀྱང་གཙུག་ཀྱི་ལྟ་བུ་ལྟོས་པའི་སྟུང་
ཅིག་ཀྱང་མཐུང་ཆོས་ཀྱི་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་
མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་
མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་
མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་
མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ཀྱང་མཐུང་ལྟོས་ཀྱི་ལྟ་བུ་

२२॥ ॥ ह्रीं श्रीं ॥ वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं वरुणं ॥

[illegible]

གདོད་པག་ཤཱ་སྤྱི་ཤཱ་ཞི་བ་དང་། ལྷ་ཤཱ་རྒྱུ་ཆེ་བ་སྤྱི་དང་ལྷ་ཤཱ་རྒྱུ་ཆེ་བ་

[illegible][illegible]

ལ་པ་དེང་སྟེང་། འདྲམ་པའི་སྒྲུ་ལྟ་བུ་པའི་འབྲེལ་པའི་ལྟ་སྟེང་། འདྲམ་པའི་སྒྲུ་

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ । एदं नमो नमो वसुधैव कुटुम्बकम् । एतन्मन्त्रं पठन्नामः ॥
दक्षायामा नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
दक्षायामा नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥
ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॐ नमो वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

[illegible]

[illegible]

ਮੇਰਾ ਦਾਸਾ ਪੁਰ ਬਾਘੇ ਦਾ * ਦਰ ਹੋ ਸਾਸਾ ਬਾਘੇ ਹੋ ਸਾਸਾ ਰੁਕਦਾ ਬੰਦ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ
ਕਦ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ ਦਾਸ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ * ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ
ਦਾਸਾ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ
ਕਦ ਦਾਸਾ ਰੁਕਦਾਸਾ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ ਕਦ ਦਾਸਾ ਕਦ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ
ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਰੁਕਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ
ਦਾਸਾ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ * ਮੇਰੇ ਦਾਸਾ ਬਾਘੇ ਦਾਸਾ

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

ལུ་སྐྱེས་ཐུགས་པ་དང་། འཁོར་གཡེག་བཟུང་བཟུང་མོད་ཕུགས་ལོངས་སྤྱོད་ཤིང་།
བུ་ཤེས་བདེ་སྤྱོད་ལ་སྤྲོད་པ་དང་དགའི་ཆ་གསལ་། གོང་ནས་གོང་དུ་འཕྲེལ་བར་
མཛོད་དུ་གསལ་ལ། ཁྱད་པར་ཆོད་བས་ཀྱང་ཁྱད་པར་པའི་ཆས་། རྒྱལ་བཞིན་བསྐྱེད་
པའི་སྐལ་བ་ཕུན་ཆོག་གསལ་ཤིང་། ཐོས་བསམ་བསྐྱེད་པར་འཆད་ཅིད་ཅིས་པ་
ཡིས་། བསྐྱེད་པ་དེ་དོན་ཀྱང་དོན་པར་མཛོད་དུ་གསལ་ལ། ཞེས་པའི་ཐུགས་པ་གསལ་ལ།
དཔལ་ཏྲ་མགོན་གྱི་ཐུགས་པར་ཉི་མའི་སྤྱོད་དུ་རྒྱུ་ལི་གོའི་མཐར་ཐུགས་ཐོང་།

28

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

७७७। । मेरुं क्षेत्रं गे. वरुणं वरुणं वरुणं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । मेरुद्वीपे च त्रैलोक्ये ।
 धर्मो रक्षति रक्षितः । मेरुद्वीपे च त्रैलोक्ये । धर्मो रक्षति रक्षितः ।
 परमेश्वरः परमात्मनो वैश्वदेवः । परमेश्वरः परमात्मनो वैश्वदेवः ।
 वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः । वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः ।
 वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः । वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः ।
 वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः । वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः ।
 वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः । वैश्वदेवः परमात्मनो वैश्वदेवः ।

७७७। । रीग सुगल दः । देव प्रम स च दः । अरि गः । पुन र वि ल
ग र र म ग री । देव ल ग सु ग ल य र पु र री । । त न्ने पुं दः । ल ग ल सुं व दः ।
१७७७। । ग र र म पु र री व सु व ल । । तु पु र म र री व द ग य मी । । म ग र द
पु र पु र ग री व ल य दः । । पु र री तु ल य ल ग ल य सु ल । । म र री तु ल य
पु र री री । । म र री म र री पु र ग सु ग ल य दः । । पु र री तु ल य म र ग ल
पु र । । म र री पु र री पु र री पु र री री । । म र री म र री म र री । । पु र री तु ल

વેદવ્યક્ષણા । મદદેશુદૃષ્ટિદૃષ્ટિદૃષ્ટિ । એવમવદનશુભસાધ્યદે
પદે । શુદૃષ્ટિશુભવ્યવ્યક્ષણા । મદદેશુદૃષ્ટિદૃષ્ટિદૃષ્ટિ । શુભ
દેશુભવ્યવ્યક્ષણા । મદદેશુદૃષ્ટિદૃષ્ટિ
દૃષ્ટિ । એવમવદનશુભવ્યવ્યક્ષણા । મદદેશુદૃષ્ટિદૃષ્ટિ
દૃષ્ટિ । એવમવદનશુભવ્યવ્યક્ષણા । મદદેશુદૃષ્ટિદૃષ્ટિ
દૃષ્ટિ । એવમવદનશુભવ્યવ્યક્ષણા । મદદેશુદૃષ્ટિદૃષ્ટિ
દૃષ્ટિ । એવમવદનશુભવ્યવ્યક્ષણા । મદદેશુદૃષ્ટિદૃષ્ટિ
દૃષ્ટિ ॥

७७७ । सुदे कुल प कुल ल सु । न दे सु दे दे दे ।
१२० । सुदे कुल प कुल ल सु । न दे
सु दे दे दे । न दे सु दे दे दे । सु दे कुल
न दे सु । न दे सु दे दे दे । न दे सु प सु
न दे । सु दे कुल प कुल ल सु । न दे सु दे दे
दे दे । न दे सु दे दे दे । न दे सु दे दे दे

ਸੁਦੁਇ ਕੁਲੁ ਪੰਜਾਨੁ ਸੁਖਾ ॥ ਮਨੁ ਦੇ ਸੁਦੁਇ ਉਦੁਇ ਭੇਰਾ ॥ ਅੰਯੋਨ
 ਅੰਯੋਨ ਗੰਧੇਦੁਇ ਪੁਰੋਨ ॥ ਅੰਦਰੁ ਸੁਖੁ ਪਦੁ ਉਦੁਇ ਪੁਰੋਨ ॥
 ਪੰ ਪਦੁ ਦਲਾਇ ਗੰਧਾਯੁ ਪੁਰੋਨ ॥ ਸੁਦੁਇ ਕੁਲੁ ਪੰ ਉਦੁਇ ਭੇਰਾ ॥
 ਅੰ ਪਦੁ ਦਲਾਇ ਗੰਧਾਯੁ ਪੁਰੋਨ ॥ ਉਦੁ ਪਦੁ ਦਲਾਇ ਪੁਰੋਨ ॥
 ਪੁਰੋਨ ॥ ਸੁਦੁਇ ਪਦੁ ਦਲਾਇ ਗੰਧਾਯੁ ਪੁਰੋਨ ॥ ਗੰਧਾਯੁ ਪੰ
 ਪਦੁ ਗੰਧਾਯੁ ਪੁਰੋਨ ॥ ਗੰਧਾਯੁ ਪੰ ਉਦੁਇ ਭੇਰਾ ਭੇਰਾ ॥

१११।

बुधस्तुतये ॥

। सुखसमेतश्चैव नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य ।

वदन्ति त्रयम्

दशैकम् ॥

येन नन्द्युतः ॥

ॐ

नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य । सुखसमेतश्चैव नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य ।
नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य । सुखसमेतश्चैव नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य ।
नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य । सुखसमेतश्चैव नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य ।
नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य । सुखसमेतश्चैव नन्द्युतः प्रवृत्तः पश्य ।



ॐ॥ विष्णवे नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वपापहर्त्रा ॥
सर्वकलहहर्त्रा सर्ववैद्य ॥
सर्वभयहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥
सर्वदुःखहर्त्रा सर्वदुःखहर्त्रा ॥

ॐ

གཏུག་

ཡུ། འཕྲི་ལྟོ། རའཁོར་བའི་རྒྱུ་ལས་པ་ལྟར་ལས་
སྟེ་ལ་མཛད་མཉམས་ རྒྱུ་གསུམ་ལྟེ་ལ་བའི་ལྟེ་ལ་གསུམ་ལ་བ་
རེད་ལ། རྒྱུ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་
བའི་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་
ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་ལྟེ་ལ་

[illegible]

[illegible]

127A



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ

ॐ

ॐ । इति कुरुक्षेत्रे युधिष्ठिर उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

ॐ

॥ ह्रस्वः श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ १ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ २ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ ३ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ ४ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ ५ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ ६ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ ७ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ ८ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ ९ ॥
॥ अथ श्रुत्वा त्रैलोक्यं विदुः ॥ १० ॥

॥ १ ॥

༡༡༡། །པར་འདོད་པ་འི་རེ་བ་སྐོང་བ་འི། །སྐུ་འཕྲེང་བ་ཀྱུང་མངའ་འཁྱུངས་
ལ་གསོལ་བ་འདེབས། །གྲངས་མེད་སངས་ཀྱིས་བྱེད་པས་མ་འདུལ་བ་འི། །
ཉེ་མོངས་འདུལ་དཀར་མ་རྩུང་འགྲོ་བ་ལ། །གང་ལ་གང་འཆོམས་སྟོན་ས་
ཐབས་ཀྱིས་འདུལ། །འགྲོ་བའི་བཤེས་གཉེན་དམ་པར་གསོལ་བ་འདེབས། །
བཟོད་དཀར་འཕེན་རྩུ་བུ་འཁོར་བ་དྲིམ། །མི་བད་ལྷག་བསམ་ལ་མི་འདོད་
ཐོག་ཏུ་ཤོབ། །མེ་མདའ་མཆོན་ཆའི་འཛིགས་ལ་འཁྱེལ་པ་འི་ཆོ། །མི་
འཛིགས་འགྲོལ་མཛད་སྒྲིམ་ར་གསོལ་བ་འདེབས། །སྐལ་པ་དཔག་མེད་

[illegible]

ཐུགས་ཀྱི་མཆོད་པ་

ཐུགས་ཀྱི་མཆོད་པ་

༣༣། །གསོལ་བ་འདེབས། །སྒྲིབ་བྱུང་གྲགས་པ་འཛིན་སྟོན་པ་དར་ཁིང་
ཁྱེས། །པར་ཆེན་ཐམས་ཅད་མཁྱེན་པ་རྩ་པོ་ཆེ། །འཇམ་དབྱངས་རྒྱུ་
འཕྲུལ་གོང་མ་ཐོག་ཆེན་པོ། །བསྟན་འཛིན་སྒྲིབ་པོ་རྣམས་ཐུབ་པ་པག་ཏུས། །
ཞུས་པ་དང་བརྟན་ཅད་འཕྱོད་པས་ རྒྱགས་བཅུ་རྩ་ཆུས། །མཁས་བཅུ་ན་
བཟང་གསུམ་འཆད་ཅོད་བཅོམ་གསུམ་གྱི། །སྒྲིབ་པ་འཛིན་ཅོད་འཕྲུལ་
པས་དུས་ཀུན་ཏུ། །ཡར་འཛིན་བྱེད་བཞིན་ཏུ་འཕྲུལ་བྱེད་མཛོད། །རྣམས་ཐུབ་
སྒྲིབ་པ་ཞུས་པ་དང་པདྨ་འཆད། །སྒྲིབ་པ་འཛིན་ཏུ་འཕྲུལ་བྱེད་པ་འཛིན་ཏུ་འཕྲུལ་བྱེད་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

གི་སྒྲིང་གི་རྒྱ་མཁའ་ལ་ཨོ་རྒྱལ་ར་མག་ཕུར་དུ་བསྐྱུ་པ། དེའི་སྒྲིང་དུ་ཨོ་
ལས་ལྷ་པོའི་དགུ་ལ་འཁོར་གྱི་སྒྲིང་དུ་ཨོ་ལས་རྩ་རྩ་ཨོ་ལྷ་པོ་དགུ་ར་
སྒྲིང་པ་ལ་ཨོ་གིས་མཆོག་པ། ཨོ་ལས་འདྲ་བར་དུ་འཕྱུ་པ། ལྷ་པོ་ལས་མ་
ཕར་པ། སྒྲིང་པོའི་ནང་གི་རྩ་རྒྱ་རྒྱ་ལྷ་པོའི་སྒྲིང་པོ་ལ་ཨོ་རྩ་ཨོ་
ལས་པོ། ཨོ་ལས་བདུད་རྩི་རྩི་བཅས་ཨོ་ལས་འདྲ་བར་ཕྱག་པ་བརྒྱར་
འཕྱུ་པ་པ། དེ་བཞིན་གསལ་པ་སྒྲིང་གི་པོ་ལ་ཨོ་ལས་ཨོ་བདུད་རྩི་བཅས་པ་

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]

पुणरुक्तपत्तौ

॥



505

[illegible]

༡༢༥། །དགའ་ལྷན་པ་པོ་རྒྱུ་ལྷན་པོ་། །གཡེང་ཁྱེད་པ་ལ་ལྷན་པོ་།
 །དམ་ཅན་པ་ལ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་། །ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་།
 །ལྷན་པོ་། །དེ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་། །ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་།
 །ཁྱེད་དག་པ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་། །ཁྱེད་དག་པ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་ལྷན་པོ་།
 །ལྷན་པོ་། །དེ་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་། །དེ་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་དང་ལྷན་པོ་།

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

464

[illegible]

[illegible]

172

[illegible]

[illegible]

۵۰۰

[illegible]

[illegible]



ॐ ॥ सुगयदेहोरेयमध्वेमस्यमयतुल्यमे ॥

[illegible]

[illegible]

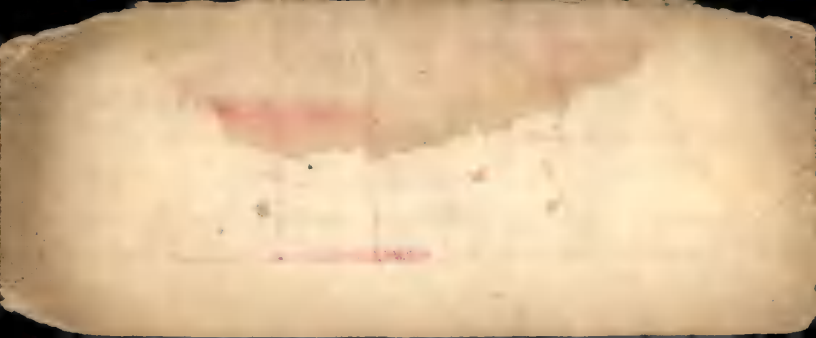
[illegible]

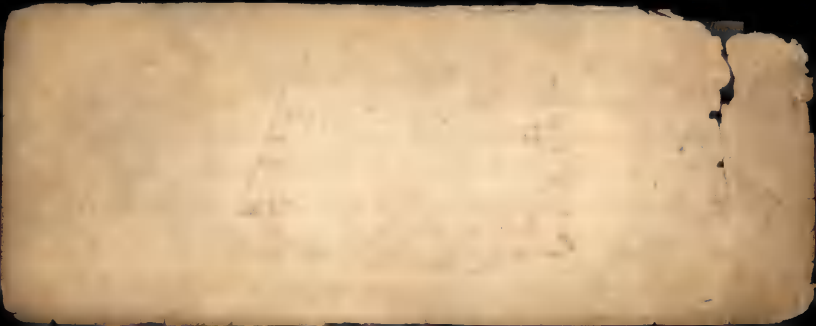
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 देव प्रसादात्प्राप्तं यत्तु सर्वं कृतं ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीमान्
 केशवं महाशक्तिं परमात्मामहम्भक्त्यैव विदुः ॥ वन्द्यामि त्वं
 देवप्रसादात्प्राप्तं यत्तु सर्वं कृतं ॥ अथ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीमान्
 केशवं महाशक्तिं परमात्मामहम्भक्त्यैव विदुः ॥ वन्द्यामि त्वं

[illegible]

ॐ ॥ वनेदं ह्यगममेत ॥ न चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ सुत
रं नमस्य ददातु चैरुच्ये ॥ सैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ न चैरुच्ये
वर्ग्ये चरयति सुत ॥ सुत चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ ~~सुत चैरुच्ये~~
सुत चैरुच्ये ॥ सुत चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ सुत
वर्ग्ये चरयति सुत ॥ सुत चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ सुत
न चैरुच्ये चरयति सुत ॥ सुत चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ सुत
वर्ग्ये चरयति सुत ॥ सुत चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ सुत
न चैरुच्ये चरयति सुत ॥ सुत चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ सुत
वर्ग्ये चरयति सुत ॥ सुत चैरुच्ये चरयति सवस मम केस ॥ सुत

ਯੋ ਫੋਲਾਧਾਧਿਸਾ ॥ ਵਰੇਧਾ ਓਰੁ ਭੇਦਰਯੋਗ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੨
੨੬ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੨੭ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥
~~ਯੋ ਫੋਲਾਧਾਧਿਸਾ ॥ ਵਰੇਧਾ ਓਰੁ ਭੇਦਰਯੋਗ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੨੮~~
੨੮ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੨੯ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥
੩੦ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੩੧ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥
੩੨ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੩੩ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥
੩੪ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੩੫ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥
੩੬ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੩੭ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥
੩੮ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੩੯ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥
੪੦ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥ ਭੁਭੁਧਾ ਭੇਦ ਧੋਰੁ ਭਾਇਕਾਧਰ ॥ ੪੧ ਵਰੇ ਭੇਦਾਧਰ ॥





མཛེད་དམ་ཚེ་གཅེན། །ཚེས་སྒྲིང་རྒྱལ་ས་པ་ལུ་མ་སྒྲིང་འཁོར་པཅས་ལ། །སྒྲིང་ལུ་མ་དང་
པའི་སེམས་ཀྱིས་པདག་བསྒྲིང་དོ། །པདག་ཅག་ཕུང་ལུ་པ་ལྷུ་པའི་མཐུན་པའི་ཁྱེན། །ཚེ་
དང་པལ་དེ་མ་ས་འཁོར་དང་ལོངས་སྒྲིང་སེམས་ལ། །རྒྱལ་རྒྱུ་པལ་ལྷུ་མཛེད་དང་སྒྲིང་པ་ལ། །
སྒྲིང་ཅེག་ཅེས་ལང་ག་ལོལ་པ་མཛེད་པར་མཛེད། །ཁྱེན་དེ་བར་གཅོད་མ་ལུ་མཛེད་པ་དང་། །
པལ་དང་པལ་ལྷུ་པའི་མཐུན་ཁྱེན་དཔལ་འཁོར་ལྷུ་པ་དང་། །སྒྲིང་ཁྱེན་སྒྲིང་ལྷུ་པའི་མཐུན་པའི་པལ་
ཁྱེན་ལ། །ཁྱེན་དང་པལ་པལ་གསལ་པའི་རྒྱལ་རྒྱུ་ལྷུ་ལ། །མཛེད་དེ་དེ་མ་ལྷུ་པའི་ཕུང་ལུ་སྒྲིང་པའི་
པར། །པདག་ཅག་དཔེན་སྒྲིང་དགོན་གསལ་ཚོར་རྒྱལ་པཅས། །ཚེས་སྒྲིང་ཚེན་པའི་ཁྱེན་ལ།

གཞིན་གཏན་པའི། །རྟལ་དུ་གཡེལ་མེད་མགོན་དང་སྐུ་པས་མཛེད་ཅུག།

ཅེས་ཅོས་སྐྱོད་ལུག་སྤེལ་མཛེད་གཏོན་ལུག་ནས། །འཕྱིན་ལས་འཁོལ་བ་འདི་ཡང་། ཅོས་རྒྱུད་པས་འབྱེད་དབང་ལྡོ་

ཐུགས་དམ་དུ། །སྤྱི་ལོ་དཔེ་སྤྱོད་སྤྱོད་པ་ཅོས་ཀྱི་ལྷ་མཚན་གྱི་འཕྲུལ་དུ་བཞུགས་པའོ། །

ཁྱེ། །ཅོས་སྐྱོད་ཅེན་པོ་དྲེགས་པ་ལུག་སྤེལ་གོ་ཅོགས་མཛེད་ཐུབ་དེ་འདོད་པས།

ཅོགས་ཀྱི་ཡོ་ཁྱད་ནལས་ཡི་དམ་གྱི་ལྷ་གང་ཡང་རུང་པའི་གཞུང་པས་ཐུང་པའི་གཏོན་མ་ལྟར་བྱིན་གྱིས་བསྐྱབས། །རྟལ་པའི་གྱེ

འཁྱུང་དང་བཅས་ཏེ་འདི་ལྟར། །ཅོགས་པ་རྒྱས་ཀྱིས་བཤད་ག་དོན་འཆང་། །ཅོ་བ་བརྒྱད་པའི་སྤྱོད་མ་དང་། །

གཏོན་རྒྱུ་གཏོན་སོགས་ཡི་དམ་ལྟ། །ཟག་མེད་པ་དུང་ཅོ་ཅོགས་མཛེད་བཞེས། །ཧྲིའོ་པམས་-----

གཡུམ་མ་ལུས་བཟའ་རྒྱལ་པའི། །སྒོམ་བདག་དཔལ་པོ་བཞུང་དང་། །སྤྱིད་པའི་ལྷ་མོ་གདོང་
དཔལ་མ། །ཆོག་ལ་ཁྱི་མཆོད་པ་འདི་ལ་རེ་ལ། །

ॐ॥ मिश्रदुसः पः मधेदः यद्युक्तमकी । प्रेः दुसः कययसः दुसः ययः

प्रीसः ऐदः । ययैकः रैदः कसः रैदः मीदः रैदः । निमः प्रः सुः ययसः सुः ययः ।

ययैकः ययः मीदः रैदः । निमः ययसः दुसः ययः प्रीसः ययः । ययैकः ययः

ययैकः ययः मीदः रैदः । निमः ययसः सुः ययसः दयेः ययः । ययैकः ययः दुसः मीदः

ययैकः । निमः ययसः ययसुः ययः प्रीसः सुः । ययैकः ययः दुसः मीदः ययः सुः ।

निमः ययसः सुः ययसः ययः ययः । ययैकः ययः ययः सुः ययः । निमः सुः

[illegible]

ॐ । श'क'ले'द'य'य' । ति'क'द'सु'स'सु'स'वा'हि'स'र'म'सु'क'र' ।
 ति'कु'य'सु'र'य'य'स'य'ग'ग'ी'स'य'कु'य'स' । य'य'क'य'कु'य'स'ग'ी'र'म'सु'क'र' ।
 ति'कु'य'दु'स'य'य'स'य'ग'ग'ी'स'य'य' । य'य'क'य'कु'य'स'ग'ी'र'म'सु'क'र' । ति'कु'य'सु'स'
 य'स'सु'क'र' । म'क'क'द'सु'स'ग'ी'य'य'स'ग'ी'र'म'सु'क'र' । य'य'क'य'कु'य'स'ग'ी'र'म'सु'क'र' ।
 य'य' । म'क'क'द'सु'स'सु'स'य'य'स'य'ग'ग'ी'स'य'कु'य'स' । य'य'क'य'कु'य'स'ग'ी'र'म'सु'क'र' ।
 य'कु'य'ग'ी'स'दु'स'य'कु'य'र' । ति'कु'य'सु'स'य'ग'ग'ी'स'य'कु'य'स' । ति'कु'य'सु'स'य'ग'ग'ी'स'य'कु'य'स' ।

[illegible]

卷八

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

॥

129

१. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

འདིར་ལྟ་ཆེན་རྒྱལ་པོ་ཡི་

ཡམ་ལ་རྩིས་པ་དབང་པོ་མཆོད་ཀྱི་ལ་གསུང་དང་གཞིལ་བའི་བཤེན་པ་ལ་ཕྱེད་

三

འགྲུབ་སྒྲིལ། དཔེར་ན་དོན་འབྱུང་གྱི་དབྱིབས་ལྟ་བུ་ཡི་མ་མཐོང་གི་སྤྲོ་བྱིས་

[illegible]

བསྒྲུབ་པ། བཀའ་རྒྱུ་གཙུག་པོ་མཆོད་པའི་གཏོར་མ་དཀར་གཏོར། གཡམས་སུ་སྒྲུབ་པའི་

ཀའི་ལ་དཔལ་ལྷན་ལྷན་གྱིས་བཀྲེས་པ། ལྷན་གྱི་གཡེན་ལྷན་དུ་བཀྲེས་

[illegible]

[illegible]

125

ॐ॥ ॥ गदे३ छे॒ श्रु॒म॒पु॒म॒द॒प॒स॒ग॒द॒प॒रि॒द॒पु॒न॒सु॒त्रि॒॥
ग॒द॒व॒म॒ब॒ध॒प॒रि॒हृ॒द॒पु॒म॒र॒क॒व॒कृ॒प॒प॒रि॒प॒स॒म॒गु॒म॒प॒द॒प॒द॒प॒॥
श्रु॒म॒द॒ग॒पु॒र॒रि॒म॒द॒ग॒पु॒र॒र॒व॒र॒द॒म॒र॒प॒द॒पु॒प॒र॒व॒र॒क॒व॒पु॒ग॒पु॒॥
द॒द॒द॒र॒द॒ग॒र॒छे॒म॒द॒प॒उ॒द॒स॒प॒उ॒र॒म॒पु॒रि॒श्रु॒म॒द॒छे॒म॒प॒कृ॒व॒प॒॥
३॥ ग॒ग॒श्रु॒ग॒पु॒र॒रि॒म॒द॒ग॒पु॒र॒र॒व॒र॒द॒म॒र॒प॒द॒पु॒प॒र॒व॒र॒क॒व॒पु॒ग॒पु॒॥
ग॒द॒द॒ग॒ग॒ग॒स॒प॒रि॒पु॒ग॒स॒पु॒द॒द॒॥ ग॒य॒व॒प॒व॒र॒ग॒द॒र॒व॒र॒छे॒म॒॥

[illegible]

[illegible]

ལ་གུའི་ག་གི་སྐྱ་མདོ་ག་མེར་སྐྱ་ཐམས་ཅད་རྟ་དམར་ཞེན་མས་ཕྱག་མཆོན་
སྐྱ་ཆོག་མ་པ་འདྲིན་པ། གཞུན་ཡང་སྐྱ་དང་ས་བདག་བདུན་བཙུན་
རྟ་གསུམ་པུའུ་ཁྱི་འཁྱེད་ཆོག་མ་མད་པོས་པསྐྱེན་བར་གྱུར། རང་ཡོད་མ་
དུ་གསུམ་ལ་བཞི་ཐུགས་ཀྱི་རྩྭ་ལས་འདྲེན་ཕྱག་མ་ཁྱུ་ལྟ་ལྟ་ལྟ་ལྟ་ལྟ་ལྟ་ལྟ་ལྟ་
རང་སྐྱེད་སྐྱུ་ལ་པོའི་པོ་བྱང་ཆེན་པོ་མས་ལྟ་ཆེན་ཁྱུ་ལ་བཞི་པས་མ་འཁྱེད་
དཔང་པོ་འཁྱེད་དང་བཙུན་པོ་སྐྱེད་ཅིག་གིས་གནས་འདྲིན་སྐྱེན་དྲུང་།

ॐ । । मङ्गलं नमः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

५२

མ་ལུས་དཔེས་པའི་ཚུལ་གྱིས་གནས་པའི་འགྲེམས་པ། །ཁྱི་གདུག་
པའི་དཔ་ལུས་སུ་མཆོག་ས་པའི་སྒྲིང་། །འདྲ་འདྲ་དཔེས་པའི་ཚུལ་གྱིས་
བཞུགས་སུ་གསལ། །ཨ་པ་ལུ་ཡུ་མ་ཆེ་ཨེ་ལུ་མ་པ་འི་ལུ་ལུ་ལུ་
ལས་། སྒྲིང་འི་པ་འི་པེ་མཆོག་། དེ་ལས་ཡིག་པེ་གང་མང་བཟོ།
དེ་དེ་འདྲི་པའི་པའི་ལ་གནས་པ་ཡི། །ལུ་ཆེན་གཞི་སྒྲིང་
མཆོག་ལུ་དགའ་སུ་གསལ། །ཁྱི་ལ་གཞི་འགལ་བས་མ་པ་

五

[illegible]

ཤུའཆེན་པོ་བཏང་ནས། བསྐྱེད་ཇུག་ཕྱིན་ཐུགས་ཡངས་གྲགས་ལྟར་ཟུ།
རྟེན་པོ་དཔུངས་དང་པུན་པས་འདི་ལྟར། རྒྱ་མཚོ་གསལ་མེད་ཏིང་འཛིན་
ཆེན་པོ་དེ་རྟེན་པོ་ལས། ཅིར་ཡང་འཆར་བའི་མཆོད་སྤྱོད་སྤྱོད་གསལ་
པར། རིམ་པོ་པོ་དུག་ལ་དཔེས་པ་བསྐྱེད་ཅེད་པས། རམ་གཞི་བར་སྤྱད་
ཕྱོད་ཀྱི་ཕྱོད་ཕྱོད་ལྟར་ཅུག འཆར་སྤྱོད་འདད་ཡོན་མཆོད་པ་རྣམས་པ་ལྟ།
སྤྱོད་པ་རྣམས་རྟེན་པོ་དེ་སྤྱོད་པུངས་དང་། འཆར་པོ་ཞི་བཏང་པ་ཞིམ་

22

༡༡། །མདའ་ཀྱི། །འཇམ་བུམ་པཟའ་པཅའ་ཆམ་པ་མད་
 པ་པདེ། །རྩེ་ཆེན་གཞོན་སྤྱི་གཞོན་ལྟེ་ཐུགས་དམ་པསྒྲུང་།
 རྩེ་ལུས་སྤོ་པ་ཆེན་ཀྱི་ཐུགས་དམ་པསྒྲུང་། །འཁོར་འབངས་
 རྩེ་པདུ་པཅེན་ལུས་ཐུགས་དམ་པསྒྲུང་། །ཐུགས་དམ་པསྒྲུངས་
 རྩེ་མཐུན་ཀྱི་ཆེན་ལྟེ་པད། །གཞོན་ཐུགས་ཐུང་ཐུང་པཅེན་པསྒྲུང་།
 པ་དང་། །འདེད་དཔེ་ལུས་ཀྱི་པཅེན་ཐུངས་ཐུགས་པཅེན་།

རེ་བརྒྱ་ལྟ་པའི་གཏོར་མ་བསྐྱེད་གཙུག་ལྷན་དུ་
རྒྱུ་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་
དུ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་
ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་
ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་
ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་
ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་ལྟ་པའི་ལྷ་སྐྱེད་

ॐॐॐ । ॥ मरुतं नदं दं व ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥
 दयतं वदं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥
 मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥
 मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥
 मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥
 मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥
 मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥ ॥ मरुतं मरुतं ॥

[illegible]

[illegible]

ཅེ་པ་ཕུ་ཡ་ཁྲ་མ་ཅི་ཅི་རྒྱ་ས་པ་རི་ལྡ་ར་ཅི་དམ་པ་ལྟི་ཏ་ཁ་ཁ་ཁྲ་ཏི
ཁྲ་ཏི་ ལན་བདུན་གྱིས་ཡུལ་ལ། མཆོད་པས་མཆོད། བསྟོད་པ་ནི།
ལྟོ་ཆོན་གྱིས་པའི་བསམ་པ་ལ་མཆོད་ལྟོ་ཏི་དབང་། ། ཡུ་རྒྱ་རྒྱ་གཞི་
མདག་ཅན་ལྟ་ས་ཁྲ་གཡས། ། གཡས་པ་ཡལ་གར་མེ་ཅི་སྟེན་ཅན་
པ་ལ་ཏི་ནི། ། ཅི་ཏི་ལྟོ་ཏི་ཏི་མཆོད་དང་མེ་ཏི་བཅི་བས་ལ་བསྟོད། །
རེས་ལག་ལ་མེ་དབང་ཆོན་པའི་རྒྱ་པ་ཅན། ། ལྟོ་ལྟོ་ཏི་ཏི་དང་ལྟོ་ས་

一

[illegible]

པས་པ་སྐྱུ་མ་ཐུན་ཀྱིན་པས་མ་དཔྱ་འགྲུག་པ་དང་། །མཁའ་དགུའི་འཕྲུ་
པ་ཀུས་པའི་སྒྲིངས་གྲགས་མཛད་། །མེ་ཡ་ན་ཆ་ལྷགས་ལ་གད་ཁད་།
རི་སྐྱུ་གཅན་ཟན་རྒྱུ་གཡས་ཁ་འཁྱུ་པ་དང་། །དཔྱེན་གྱི་ཐན་པ་སྐྱུ་
ལྷན་རྒྱ་ལ་རྒྱམས་། །སྐྱུ་པའི་པག་གས་དང་ཆེན་འགད་པལླེན་པར་མཛད་།
ཐུ་མ་དགན་སྐྱུ་དག་འདུན་པཅས་པ་ཡི། །པར་སྐྱུ་འཁྱུ་ཉན་མཐུན་
ཀྱིན་ཀུས་པ་ལ། །པར་དུ་པཅད་པའི་གདན་པག་གས་གནད་པ་པལླེན་།

ॐॐॐ

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

[illegible]

10
2

ॐ ॐ । । ॐ कृत्वा दशैव यदेव सुखं सुखं दशैव वैश्वं सुखं
यस्य दशैव यस्य सुखं सुखं यदयं यस्य सुखं यदेव सुखं सुखं यदयं
नयं कवे सुखं यस्य दशैव यदेव सुखं सुखं यदयं यदेव सुखं सुखं
यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं
यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं
यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं
यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं
यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं यदयं सुखं

[illegible]

ॐ । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

འཕྲུལ་
ལྟར་

༡༡། མེ་ཕུགས་སྒྲིང་མཛད་པ་དེ། །དུག་བཅོམ་དཔལ་
པོ་ཆེན་པོ་ཡལ་ཡུལ་པལ་དང་། །པལ་དམ་མཛོད་ཀྱི་ཆེན་དམ་པ་འདི་བཅའ་ས་
ལ། །མ་གཡེལ་མ་གཡེལ་བདག་གི་འཕྲིལ་ལས་སྒྲུབས། །དུས་མེད་
འཕྲུལ་ཕུགས་སྒྲིང་འཕྲུལ་གཞུག་། །འདྲ་ཡམས་མེ་ཕུགས་གོད་འདྲ་
རྒྱུ་ཆོད་། །རི་སྒྲིང་འཕྲུལ་ཕྱག་གཞུག་ལྟ་བུ་འདྲ་དང་། །དུས་འཕྲུལ་ས་
མཐའ་དམག་སྐོས་ཀྱི་གཞུག་པ་དང་། །མ་མའི་འཕྲུལ་ས་ཀྱི་

ཚེ་འཕྱུལ་བཟློག ། ཡུལ་གྱི་མི་རྒྱལ་པ་བདེ་སྦྱོར་དཔལ་འཕྲོ་ཐུས། །
རྟ་ཕྱགས་མི་ཤར་བས་བརྟུན་འཕེལ་བར་མཛད། ། ལྷན་པར་བདག་གི་ཆེ་བས་དུ
རིགས་ཐུང་དང་། ། སྟོབས་དང་ལྷུང་རྟ་སྟོན་གྲག་དཔལ་འཕྲོ་ཐུས། ། འཁྱེར་
འབདས་ཀྱི་ཁྱིམ་དག་རྟ་དབང་བསྟུས་སྤེ། ། ཡུགས་གཏིས་བྱ་བ་
གང་ཞས་གང་འཕེལ་མཛད། ། དེ་ཞས་གཏོར་མ་གཏོར་བར་འདོད་པ་ཡོདས་
གྲགས་བཞིའི་འབྱུང་། ། **དཀར་ཕྱགས་སྦྱོར་པའི་ལྷ་ཆེན་མཐུ་བ་ཆེ།** །

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཆེན་པོ་ནི་དབུ་ལ་གྱིས་དགའ་བས་ཆེ་མ་པར་བཞེས་མཛད་ལ། །དཔུར་གྱི་དུས་སུ་
ཆར་ཆུ་སྒྲེལ་ས་པར་འབབ། །ཆེ་བཅུད་རྩ་ལྡན་མུ་གུ་ལེགས་པར་སྒྲེ། །རྒྱ་བཞེ་ལྷ་སྒྲུ་
གྱི་རྩ་ལ་སྒྲེལ་ས་ལེགས་ལ་ཆུས། །མི་འཕྲོ་བའི་སྒྲིལ་དགའ་བས་ཆེ་མ་པར་མཛད། །
བ་མེ་རྩ་དྲ་ལྷ་ཡ་པ་ནི་བ་མེ་རྩེ་ལྷ་ལྷ་རྩ་ལྷ་སྒྲུ། །མི་ལམ་གྱི་པོ་སྒྲིལ་པོ།



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णाय नमः ।
 श्रीगुरुभ्यो नमः ।
 श्रीपद्मे नमः ।
 श्रीलोकेश्वरान्तर्ध्याने
 श्रीनारायणाय नमः ।
 श्रीविष्णवे नमः ।
 श्रीशिवाय नमः ।
 श्रीब्रह्माय नमः ।
 श्रीमहादेवाय नमः ।
 श्रीमहामाताय नमः ।
 श्रीमहात्मनाय नमः ।
 श्रीमहाकाशाय नमः ।
 श्रीमहाप्राणाय नमः ।
 श्रीमहाशक्त्याय नमः ।
 श्रीमहायोगिन्याय नमः ।
 श्रीमहासत्त्विकाय नमः ।
 श्रीमहासाक्षाय नमः ।
 श्रीमहाशक्तिस्तोत्रम् ।

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टादशोऽध्यायः ॥

ཨོཾ
ཨཱ
མུཾ

༡༢༡། །ཆལ་ཕྱི་ཏལ་པལ་ལ། །ཨོ་ལྷ་ཐུ་ལྷ་ལྷ་ལ། །ཕྱོད་པ་ཉིད་དུ་ཐུར། །ཕྱོད་པ་ཉི
དང་ལལ་པ་དང་ཀར་གྱི་ཕྱོད་དུ་རིན་པོ་ཆེ་ཉི་ག་དཀྱལ། །ཀོད་ཅེ་བྱང་ཆུབ་སེམས་དཔལ་ལྷུ་
མདོ་ག་དཀར་ལ་རིན་པོ་ཆེ་ལ་བརྒྱན་ཆལ་ག་ཅིག་ཕྱག་གཉིས་གཡམས་པལ་སྤེལ་སྤེལ་ཏེ་
ལ་ཉེས་ལ་པ་ཉི་མདའ་དར་བརྒྱུ་མས་པ། །གཡེན་སྒྲུབ་ལ་ཕྱིན་གྱི་ཕྱག་ཐུས་རིན་པོ་ཆེ་ཉི
ཐུག་བརྒྱུ་མས་པ། །སྤུ་ལ་ཐུན་སྒྲེ་ཅོག་ས་གྱིས་བརྒྱན་པ། །ཞལ་ལ་གཉིས་སྤེལ་གྱུང་

ཕྱི་ཤིས་རུས་ལྷལ་ལྷ་བའི་ཕྱིང་རུ་བཞུགས་པ། དེའི་མཐའ་བསྐོར་དུ་དྲུག་ཕྱིང་འཁྱམ་
གི་ཀའོར་གྱིས་མཐོར་མའི་གནས་གསུམ་དུ་ཡིག་གསུམ་གྱིས་མཚན་པར་གྱུར།
ཐུགས་ཀའི་རྒྱུ་ལས་འོད་འཕྱོས། རྒྱུ་ག་གི་རི་བོ་ཆེ་ལྷ་པའི་རིན་ཆེན་འོད་གྱི་གནས་
ཡས་ཁོང་ནས། ཀོང་ཆོ་བྱེད་ཀྱིས་ལེས་པ་དཔག་པའི་དང་བཅས་པ་ལྟར་དུས། རྒྱུ་
རྒྱུ་ག་གི་རི་བོ་ཆེ་ལྷ་པའི་འདུག། འཚོ་དན་ནས་གྱི་ཕྱིངས་གི་ཅན། རིན་ཆེན་འོད་

三

[illegible]

[illegible]

چ

[illegible]

བཅས་ལ་འདི། །ཀོང་ཅེ་དྲུང་སྤྱོད་ཆོག་ལ་ལ་འབྱུང་། །གཙུག་ལག་སྐྱོད་ཕྱིར་ཞུས་ལུ་
གསོལ། །ཨོ་བཏྲ་ཨུ་ལོ་ཀེ་ཏུ། ག་བུར་གུར་གུམ་ལུར་བ་ཡི། །དྲི་ཆ་བ་དམ་པ་
འདི་ཅི་དེ། །འདག་ལ་མ་ ཀོང་ཅེ་ གཙུག་ལག་ ཨོ་བཏྲ་གཙུ་ཏུ། །དེ་ཆེན་
འབྱུ་ལྷོ་ཞལ་བཅས་ཆོག་ལ། །འདག་ལ་མ་ ཀོང་ཅེ་ གཙུག་ལག་ ཨོ་བཏྲ་
ཅི་ཕྱི་ཏེ་ཏུ། །དེ་ལ་བཏྲ་ལ་ཕ་བ་ནི། །ཏུ། །དེ་ཆེན་འདི་ ཀྱི་གཞལ་ཡས་ལུ། །

[illegible]

བརྒྱུད་པ་ལ་འབར་ཁོད་ལ་བསྟོད། །སྐྱེ་ནི་འགྲོ་དོན་ཉུང་ཆུབ་སེམས་དཔའ་བཞུགས། །
གསུང་ནི་སྐྱེ་བའི་སྒྲིལ་ཕྱི་དུང་ལ། །ཐུགས་ནི་ཡེ་ཤེས་ལྷ་ལྷ་ནི་བའི་ཆུ་ལ། །
ཆེ་བའི་ཡོན་ཏན་མང་པོ་བརྒྱུད་མི་ལང་། །ཀོང་ཅེ་དུང་སྤྱོད་ཆོགས་ལ་ཐུག་འཆིལ་
བསྟོད། །གུམ་ལག་ཁང་རྒྱལ་སྤྱོད་བའི་འཕྲིན་ལས་མཛོད། །དེ་ནས་བཤེས་བསམ་འཕྱུ་ལ་བརྒྱུད་
ནི། ཀོང་ཅེ་ཆུ་ལས། །ཉུང་ཆུ་ལ་མཆོད་བཤེས་བསམ་ཀྱིས་ནི་ད་ཅི་དམའ་གསུངས་པ། །དེ་ནི་ཆེན་མོ་དུང་ལ།

[illegible]

ཀྱིས་འབྱུལ། །བསྐྱེལ་བ་མི་མང་ཕྱགས་རྫིས་བཞེས། །འཁོར་གྱི་དྲ་ལྷོ་རྩེ་ཆོག་ལ་ལ་
འབྱུལ། །ལས་ལ་གྱི་འབྱུལ་རྒྱ་ཕྱོད་རྒྱ། །མཆོད་པ་དམ་པ་འདི་ལྟལ་བས།
གཙུག་ལག་བསྐྱར་པ་བསྐྱེད་དུ་གསོལ། །ལས་རྣམས་འགྲུབ་པར་བྱ་བ་དང་། །ལས་ལ་
པ་འགྲུབ་ཕྱིར་ཁྱེད་ལ་འབྱུལ། །འབྱུལ་ཆོག་དེ་གྲུད་བསྐྱེད་པ་འདི། །འགྲོ་བ་རྣམས་
ཀྱི་ཕུང་པོ་ལ། །ཕུང་པོ་ཡོན་ཏན་རྒྱས་པ་འདི་གྲུད། །ཁྱེད་ཀྱི་འཁོར་རྩེ་ཆོག་ལ་རྣམས་

[illegible]

महाराष्ट्र राज्य सरकार
मुंबई

267

